उत्तर प्रदेश उत्तराखंड दिल्ली हरियाणा पंजाब महाराष्ट्र बिहार मे प्रसारित हिंदी समाचार पत्र

Follow us
Buland Bharat
YouTube
Contact & Whatsapp
9319521411, 9454428221
www.bulanbharatlivetv.com

हिन्दी दैनिक

बुलन्द भारत

E-Mail- bulandbharatdaily@gmail.com

RNI No.- UPHIN/1999/00956

बरेली वसहारनपुर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 24 अंक- 96 | सहारनपुर, मंगलवार 10 अगस्त, 2021 | पृष्ठ : 4 | मूल्य : 3 रूपये | bulandbharatdaily@gmail.com

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा जारी पीएम-किसान योजना की 9वीं किस्त

प्रधानमंत्री ने महाराष्ट्र और गोवा में लाभार्थियों से बातचीत की

दैनिक बुलन्द भारत–ब्यूरो मुंबई के . रवि (दादा)

पणजी/मुंबई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज पीएम–किसान योजना की अगली किस्त जारी की . इस योजना के माध्यम से लगभग 9.75 करोड़ लाभार्थी कृषक परिवारों को प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के माध्यम से आज 19,500 करोड़ रुपये से अधिक जारी किए गए. प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत अब तक किसानों को 1 लाख 60 हजार करोड़ रुपये का वितरण किया जा चुका है . प्रधानमंत्री ने आज पीएम–किसान योजना के लाभार्थियों से बातचीत की . गोवा की एक महिला लाभार्थी श्रीमती प्रतिभा वेलिप बातचीत के लिए उपस्थित थीं . प्रधानमंत्री से बात करते हुए प्रतिभा वेलिप ने कहा कि वे काजू, नारियल और केले जैसी मिश्रित फसलों की खेती करते हैं . उन्होंने धान की खेती के लिए श्री पद्धति को अपनाया है . उन्होंने कहा कि इस विधि से कम लागत में अच्छी उपज मिलती है . प्रधानमंत्री

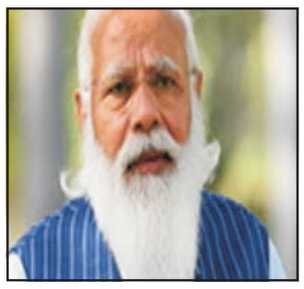

मोदी ने प्रतिभा वेलिप से पूछा कि क्या पीएम–किसान योजना से प्राप्त धन से कोई लाभ हुआ है . पीएम–किसान योजना से प्राप्त राशि से उर्वरक, बीज और कीटनाशक की खरीद की गई है . प्रतिभा वेलिप ने कहा कि पीएम–किसान योजना से परिवार को फायदा हुआ है. इसके बाद प्रधानमंत्री ने रत्नागिरी के आम उत्पादक देवेंद्र जापडेकर से बातचीत की . देवेंद्र जापडेकर ने कृषि अवसंरचना योजना के तहत कर्ज लिया है . इससे उन्होंने आम की खेती केंद्र की स्थापना की है . इससे आम केवल 4–5 दिनों में स्वाभाविक रूप से पक गया . पहले आम की परंपरागत खेती से 20–30 फीसदी फल खराब हो जाते थे. हालांकि, पकने वाले कक्ष के कारण, फसलों को नुकसान नहीं होता है और समय की बचत होती है, देवेंद्र ने कहा . प्रधानमंत्री ने इंजीनियरिंग की शिक्षा पूरी करने के बाद कृषि की ओर रुख करने के लिए देवेंद्र की सराहना की . पीएम–किसान योजना के माध्यम से किसानों को 2,000 रुपये प्रति वर्ष की तीन किस्तें जमा की जाती हैं और लाभ हस्तांतरण योजना के माध्यम से कुल 6,000 रुपये सीधे लाभार्थी किसान के खाते में जमा किए जाते हैं।

पत्रकार समाज कल्याण समिति के प्रदेश सचिव ने श्रावण मास के तीसरे सोमवार पर आयोजित किया गया भव्य भंडारा

दैनिक बुलन्द भारत–ब्यूरो लखनऊ अखिलेश कुमार

लखनऊ। गोमती नगर विभूतिखण्ड थाना अंतर्गत निकट मंत्री आवास सन हॉस्पिटल में हॉस्पिटल के संचालक द्वारा श्रावण मास के तीसरे सोमवार पर हॉस्पिटल में रुद्राअभिषेक कार्यक्रम आयोजित किया गया ततपश्चात भव्य भंडारे का आयोजन किया गया।भंडारे की शुरुआत भारतीय जनता पार्टी के जिला उपाध्यक्ष कृष्ण कुमार पांडे खोलो पांडे कप्तान तिवारी रमापति शास्त्री गिरिजेश तिवारी भारत समाचार के चीफ एडिटर बृजेश मिश्रा जी पत्रकार समाज कल्याण समिति रजि0के प्रदेश प्रदेश प्रभारी देवेंद्र मिश्रा जी द्वारा दीप प्रज्वलित कर भंडारे की शुरुआत की गई पूरे विधि विधान के साथ भगवान शंकर की पूजा अर्चना करते हुए भगवान भोलेनाथ की आरती कर हॉस्पिटल संचालक ने भंडारे की शुरुआत की।बता दें कि रुद्राभिषेक भगवान भोलेनाथ के इस कार्यक्रम में परम पूज्य विद्वान कथावाचक सरस मधुर वक्ता उज्जवल मणि तिवारी जी के द्वारा रुद्राभिषेक कार्यक्रम कराया गया इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी अयोध्या जिला उपाध्यक्ष कृष्ण कुमार पांडे सोनू पांडे जिला सहसंयोजक प्रकोष्ठ कप्तान तिवारी एडिशनल एसएचओ विनोद यादव यह चंद्रशेखर सिंह समाजसेवी भूपेंद्र यादव और ठाकुर भैया कृष्ण कुमार पांडे और मोनू पांडे रामकृष्ण पांडे कमलेश शुक्ला प्रिंस सिंह दिव्यांग चौधरी नितिन पांडे समेत सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

20 घंटे हाई वोल्टेज ड्रामे के बाद मृतक का किया अंतिम संस्कार

दैनिक बुलन्द भारत–ब्यूरो सीतापुर धर्मेन्द्र पांडेय

लहरपुर/सीतापुर। लगभग 20 घंटे के हाई वोल्टेज ड्रामे के बाद अंत में मृतक का परंपरागत ढंग से किया गया अंतिम संस्कार, मृतक को दी गई समाधि, पुलिस और प्रशासन ने चौन की सांस ली। ज्ञातव्य है कि कोतवाली क्षेत्र के ग्राम नौवापुर में विगत 28 जुलाई को हुई मारपीट के चलते 55 वर्षीय व्यक्ति रामधनी गिरी पुत्र शिवनारायण की इलाज के दौरान जिला अस्पताल में मौत हो गई थी कल रविवार को पीएम के बाद गांव में शव पहुंचने पर परिजनों ने जमकर हंगामा काटा और भारी मान मनोव्वल के बाद भी मृतक का अंतिम संस्कार नहीं किया गया रात भर शव परिजनों द्वारा मेटाडोर से नहीं उतारा गया सारी रात पुलिस मौके पर मौजूद रही। आज सुबह होने पर फिर वही कार्यक्रम जारी रहा। उप जिलाधिकारी, क्षेत्राधिकारी एवं कई थानों की पुलिस परिजनों को अंतिम संस्कार के लिए मनाती रही, परिजनों के आग्रह पर पुलिस ने एफआईआर में धारा 304 को भी बढा दिया गया।

परंतु फिर भी गतिरोध जारी रहा। अंत में ग्राम प्रधान एखलाक खान, पूर्व प्रधान रमानिकेत सिंह,अवधेश त्रिवेदी एवं अन्य लोगों के प्रयास से परिजनों को अंतिम संस्कार के लिए राजी किया गया, फिर मृतक का अंतिम संस्कार परंपरागत ढंग से गड्ढा खोदकर समाधि देकर कर दिया गया। अंतिम संस्कार होते ही पुलिस और प्रशासन में राहत की सांस ली। कोतवाली प्रभारी मनीष कुमार सिंह के अनुसार एंटी मार्टम हेड इंजरी होने व कोमा में चले जाने से रामधनी की मौत पीएम रिपोर्ट में दरसाई गई थी।

स्वर्ण जयंती नगर में कब्रिस्तान नहीं पार्क बनबाया जाए : ठा राकेश सिंह

दैनिक बुलन्द भारत–ब्यूरो अलीगढ़ नरेन्द्र शर्मा

अलीगढ़। भाजपा किसान मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने क्लासिक रेजिडेंसी जीटी रोड धनीपुर पर एसीएम प्रथम संदीप अकेला को ज्ञापन दिया भाजपा किसान मोर्चा ब्रज क्षेत्र कहानी के सदस्य ठाकुर राकेश कुमार सिंह ने ज्ञापन में कहा है कि स्वर्ण जयंती नगर में कब्रिस्तान नहीं यहां पर पाक होना चाहिए पाक होगा वह जनहित में होगा अगर अब कब्रिस्तान के नाम पर या गंदी राजनीति होती है उसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा उन्होंने यह भी कहा है कि कब्रिस्तान यहां पर होने का कोई सवाल ही नहीं है जनहित में पहाड़ के बनी जाए तो यहां के नागरिकों को काम आएगा भाजपा किसान मोर्चा ब्रज क्षेत्र कार्यकारिणी के सदस्य ठाकुर राकेश कुमार सिंह ने एसीएम प्रथम को

ज्ञापन में साथ रहा है यहां पर कब्रिस्तान नहीं पाक बनेगा कब्रिस्तान के नाम पर गंदी राजनीति करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा भाजपा किसान मोर्चा उसका मुंहतोड़ जवाब देगा भाजपा किसान मोर्चा के नेता ठाकुर राजेश कुमार सिंह ने यह भी कहा है कि पूर्व विधायक जमीर उल्लाह खान अब्बू इसहाक जो गंदी राजनीति करने के लिए कब्रिस्तान के नाम पर स्वर्ण जयंती नगर में आते हैं केवल उनका माहौल खराब करने का मकसद होता है उसे हल करने का नहीं हल करना तो नेता जानते ही नहीं क्योंकि विरोधी दल के नेता है इनकी जुबान पर अंकुश नहीं जो बोलेंगे बिना सोचे समझे बोलेंगे अगर उन्होंने अलीगढ़ की खराब करने की कोशिश की तो भाजपा किसान मोर्चा इनके लहजे में हूं मुंह तोड़ जवाब देगा राकेश सिंह के साथ सैकड़ों कार्यकर्ता थे जिनका नाम पंकज नीरज सिंह ओमप्रकाश से रमन से पप्पू सिंह महेश चंद बघेल आदि सैकड़ों किसान मौजूद थे।

प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना का लाभ दिया जा रहा अपात्रों को

दैनिक बुलंद भारत–झांसी ब्यूरो जितेंद्र श्रीवास

झांसी। खबर तहसील मोंठ से है जहां पर ग्राम सिमरिया निवासी लाखन सिंह ने बताया कि ग्राम सिमरिया में प्रधान एवं सचिव की मिलीभगत से प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना का लाभ अपात्र लोगों को दिया जा रहा है जिसकी सूचना लाखन सिंह ने 01/07/2021 को मंडल आयुक्त झांसी को लिखित रूप मैं दी। शिकायत को दिए 1 महीने से ऊपर हो चुका परंतु अभी तक इन ग्राम प्रधान एवं सचिव के ऊपर कोई कार्यवाही नहीं हुई। वहीं लखन सिंह का कहना है कि उच्चाधिकारियों द्वारा पात्र एवं अपात्र आवासों की जांच कराई जाए अपात्र लोगों को आवास योजना का लाभ देकर पात्र

लोग प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास मिलने से वंचित रह गए जिसकी सूचना आशीष पाल रामकुमार लाखन सिंह तेज सिंह एवं अनिल ने लिखित रूप से मंडलायुक्त को दी।

हाजी सिराज के नेतृत्व में क्रांति दिवस पर जुलूस मार्च निकालते हुए किया विरोध किया

दैनिक बुलन्द भारत–ब्यूरो सीतापुर धर्मेन्द्र पांडेय

लहरपुर/सीतापुर। अल्पसंख्यक जिला अध्यक्ष हाजी सिराज के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने बढ़ती महंगाई बेरोजगारी महिला सुरक्षा किसानों की समस्या बिगड़ती कानून व्यवस्था भ्रष्टाचार के खिलाफ के साथ–साथ भाजपा गद्दी छोड़ो अभियान के तहत जुलूस निकाल कर विरोध जताया विदित हो कि आज दिनांक अल्पसंख्यक जिला अध्यक्ष हाजी सिराज के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने खेमकरण इंटर कॉलेज से केसरी गंज तक अगस्त क्रांति दिवस पर जुलूस मार्च निकालते हुए विरोध प्रदर्शन किया । इस मौके पर हाजी सिराज मीडिया से रूबरू होते हुए बताया कि भाजपा शासनकाल

में चाहे महिला सुरक्षा हो किसानों की समस्या हो या फिर बढ़ती महंगाई हो इन सब चीजों से जनता त्रस्त हो चुकी है । इसका जवाब 2022 के आने वाले चुनाव में जनता के देगी । इस मौके पर चौछ विभु अवस्थी प्रवक्ता अमित मिश्रा सोशल मीडिया प्रभारी शीलू शुक्ला कन्हैया जी मरुधारा महासचिव डॉ विनोद दीक्षित ब्लाक लहरपुर अध्यक्ष आशीष शुक्ला ब्लॉक अध्यक्ष बेहटा कमाल अहमद कुरेशी नगर पंचायत अध्यक्ष तंबौर डॉक्टर सादिक अंसारी नईम अंसारी लल्लूराम शुक्ला ।

स्वतंत्रता दिवस का 75वां समारोह आजादी के अमृत महोत्सव के रूप मनाया गया

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के परिजनों को किया गया सम्मानित

दैनिक बुलन्द भारत–ब्यूरो कुशीनगर धर्मेन्द्र कुमार कन्नौजिया

तमकुही/कुशीनगर। अगस्त क्रांति यानी 9 अगस्त भारत के स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास में अगस्त क्रांति के नाम से मशहूर भारत छोड़ो आंदोलन का करीब तीन–चार साल का दौर अत्यंत महत्वपूर्ण होने के साथ पेचीदा भी था। यह आंदोलन देशव्यापी था जिसमें बड़े पैमाने पर भारत की जनता के इस धारी की और अभूतपूर्व साहस और सहनशीलता को परिचय दिया 9 अगस्त का दिन हम भारतवासियों के जीवन की महान घटना है और यह हमेशा बनी रहेगी 15 अगस्त को धूमधाम से मनाते हैं क्योंकि उस दिन ब्रिटिश वायसराय माउंटेन ने भारत के प्रधानमंत्री के साथ हाथ मिलाया था और क्षतिग्रस्त

आजादी हमारे देश को दी थी वही 9 अगस्त देश की जनता की अपेक्षा की अभिव्यक्ति थी जिसमें उसने यह ठान लिया था कि हमें आजादी चाहिए और हम आजादी लेकर रहेंगे और बीर सपूतों ने ऐसा किया भी जिसके चलते आज हम लोग स्वतंत्र है।

तमकुही में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिजनों का नगर पंचायत के तत्वाधान में किया गया जिसमे स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिवार को अंग बस्त्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहे राज्य मंत्री जगदीश मिश्र (बाल्टी बाबा),विशिष्ठ अतिथि रहे भाजपा जिलाध्यक्ष प्रेमचन्द्र मिश्रा,उप जिलाधिकारी एआर फारुखी,पुलिस क्षेत्राधिकारी फूलचंद कन्नौजिया,भाजपा किसान मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष केशव पाण्डेय, कार्यक्रम के आयोजक नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी अम्बरीष कुमार ने सभी अतिथियों का किया आभार प्रगट किया।

शानदार रहा बागपत पुलिस अधीक्षक अभिषेक सिंह का कार्यकाल

– आस्ट्रेलियन कम्पनी की लाखों रूपये की नौकरी देश सेवा के लिए छोड़कर आने वाले अभिषेक देशभक्ति की अनुपम मिसाल

– कोरोनाकाल में 24 घंटे लोगों की सेवा करने वाले अभिषेक ने बागपत को दिये लाखों रूपये के आक्सीजन कंसंट्रेटर दान

बागपत, उत्तर प्रदेश। विवेक जैन 2011 बैच के आईपीएस अधिकारी अभिषेक सिंह की उत्तर प्रदेश पुलिस के जांबाज अधिकारियों में गिनती होती है। इनकी जिन्दगी में एक समय वो था जब पढाई की फीस तक के पैसे ना होने के बाबजूद इन्होने हिम्मत नही हारी और लोन लेकर अपनी मेकेनिकल इंजीनियरिंग में बीटेक की पढ़ाई को पूरा किया। देशभक्ति से ओत–प्रोत इस शख्स ने देशसेवा की खातिर 2009 में आस्ट्रेलिया स्थित एक बड़ी कम्पनी की लाखों रूपये की जॉब छोड़ दी और विदेश से हिन्दुस्तान वापस आ गये। एक ही वर्ष में कैट और यूपीएससी की परीक्षा पास की और देश की सेवा के लिये इंड़ियन पुलिस सर्विस को ज्वाइन कर लिया। लखनऊ एसटीएफ के एसएसपी रहे हो या फिर प्रतापगढ़ के एसपी इन्होने कई दुर्दांत अपराधियों को जेल की सलाखों के पीछे पहुँचाया। बागपत एसपी के रूप में इनका कार्यकाल शानदार रहा। चाहे इनके अपने पुलिस विभाग के लोग हो या अन्य लोग, गलती होने पर इन्होने कभी भी कानून व्यवस्था से समझौता नही किया। कोरोना की दूसरी जानलेवा लहर में भी अपने जीवन की चिंता ना करते हुए बागपत की जनता के लिये 24 घंटे काम करते रहे और जिस समय पूरे देश में आक्सीजन की भारी किल्लत थी उस

समय बागपत वासियों को लाखों रूपये की आक्सीजन कंसंट्रेटर जैसी जीवनदायनी मशीने दान दी। हर शिकायत को गंभीरता से लेते हुए कार्य किया और देशहित में कभी भी समझौता नही किया। उन्होने जिला पंचायत चुनाव 2021 शांतिपूर्ण सम्पन्न कराने में अहम योगदान दिया। इनकी कार्यशैली को देखते हुए विभाग ने उन्हें बड़ी ही अहम जिम्मेदारी सौंपते हुए लखनऊ एटीएस का एसपी नियुक्त किया है। अपराध नियंत्रण और अपराधियों के खिलाफ चलाए अभियानों में अभिषेक सिंह की कार्यशैली प्रशंसनीय रही है।

मुहर्रम उल हराम 1443 सन 2021 (11–8–2021 से 20–8–2021)

अत्याचार के खिलाफ बुलन्द आवाज !

बुराई को दबाने व खात्मे की आवाज !!

बुलन्द भारत सॉल्यूशंस विजन

(समाचार पत्र मीडिया समूह) की ओर से

मुहर्रम उल हराम 1443 के पहले महीने में पहली तारीख से, अत्याचारियों के खिलाफ लड़ाई की मुहिम में.....!!

नबी ए अब्वलुंव्वआखिर सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम , आका ओ मौला ए हुसैन अलैहिस्सलाम व आले मोहम्मद के सदके में.....!!

वह जो कर्बला को 10 मोहर्रम में सज्दा करके मोअल्ला बनाया था ....!!

हमें, हर मोमिन को, हर नागरिक को, अत्याचार के विरुद्ध , हर जुल्म के खिलाफ आवाज बुलन्द करने की तौफीक अता फरमा।।

मोहम्मद सलीम रूमी

प्रकाशक–बुलन्द भारत

9319521411

mail&bulandbharatdaily@gmail-com

सम्पादकीय

शिक्षा को रोजगारपरक बनाएं

कुछ दिन पहले राष्ट्रीय शिक्षा नीति की घोषणा का एक वर्ष पूरा हुआ और इस अवधि में कोरोना काल की चुनौतियों के बावजूद इसे साकार करने की तैयारियां चलती रहीं. कर्नाटक सरकार ने शनिवार को ही घोषणा की है कि राज्य में आगामी सत्र 2021–22 से ही यह नीति लागू हो जायेगी. बड़े गौरव के साथ राज्य के शिक्षा मंत्री ने यह भी कहा है कि ऐसा करनेवाला कर्नाटक पहला राज्य है. सभी राज्य अपने स्तर पर सक्रिय हैं और कहीं स्थिति आगे बढ़ी हुई है और कुछ अभी भी प्रयासरत हैं.मुझे आशा है कि अगले सत्र से लगभग देशभर में राष्ट्रीय शिक्षा नीति कार्यान्वित हो जायेगी. यह नीति इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसे व्यक्तिगत स्तर पर आगे बढ़ा रहे हैं. वैसे राष्ट्र का नेतृत्व करनेवाले व्यक्ति के लिए हर परियोजना महत्वपूर्ण ही होती है, उस पर दृष्टि रहती है और उसकी सफलता चाहते हैं, लेकिन शिक्षा के क्षेत्र में प्रधानमंत्री मोदी का मानना है कि शिक्षा से ही परिवर्तन संभव है. देश को इक्कीसवीं सदी में उत्कर्ष पर ले जाना है, तो उसमें शिक्षा की बड़ी भूमिका होगी. शायद वे देश के पहले ऐसे प्रधानमंत्री हैं, जिन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के बारे में बार–बार जनता, विद्वानों और नीति–निर्धारकों के बीच जाकर विमर्श किया है और उसे दिशा देने का प्रयास किया है.इस शिक्षा नीति में जो परिकल्पनाएं की गयी हैं, अब उन्हें जमीन पर उतारने का समय आ गया है. कोई भी नीति बनती है, तो कागज पर बेहतर से बेहतर योजनाएं बनायी जाती हैं, लेकिन उनकी सफलता कार्य रूप में ही होती है. नीति के एक वर्ष पूरा होने के अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने अपने उद्बोधन में एकेडेमिक क्रेडिट बैंक की चर्चा की थी. इस प्रक्रिया में कोई भी व्यक्ति किसी भी उम्र में आकार अपनी शिक्षा पूरी कर सकता है. विश्वविद्यालयी शिक्षा में अब यह प्रावधान किया गया है कि अगर बीच में आपको पढ़ाई छोड़नी पड़ती है, तो अवधि के अनुसार आपको समुचित प्रमाणपत्र दी जायेगी.अब एमए एक वर्ष में पूरा हो सकेगा. उच्च शिक्षा में विद्यार्थी का वर्ष नहीं बढ़ रहा है, पर उसकी गुणवत्ता बढ़ाने का ध्येय अवश्य रखा गया है. सभी जानते हैं कि विश्वविद्यालयों में कई विद्यार्थी केवल इसलिए शोध की ओर आ जाते हैं कि कहीं कुछ मिल नहीं रहा है. अवसर भी तभी मिलेंगे, जब शिक्षा को रोजगारपरक बनाया जायेगा और उसे कौशल से जोड़ा जायेगा. इस शिक्षा नीति में छठी कक्षा से इस पक्ष पर महत्व दिया गया है. पाठ्यक्रम बनाने की जो प्रक्रिया चल रही है, उसकी कुछ जानकारी के आधार पर मैं कह सकता हूं कि प्रत्येक विश्वविद्यालय के द्वारा चार वर्ष के पाठ्यक्रम में कम से कम दो सेमेस्टर तक कौशल विकास पर ध्यान अवश्य रहेगा. साइन लैंग्वेज को भाषा की मान्यता देने और विषय के रूप में प्रारंभ से ही पढ़ाने का प्रावधान बहुत सराहनीय है. नीति बनाना और उसका लाभ होना एक अलग बात है, लेकिन आप किन–किन पहलुओं को छू रहे हैं, वह अधिक महत्व रखता है.प्रधानमंत्री मोदी का संवेदनात्मक पक्ष यहां पुनरू उजागर होता है. साइन लैंग्वेज के माध्यम से दिव्यांग और मूक–बधिर बच्चों की समस्याओं को दूर करने का प्रयास किया गया है. अभी तक ऐसे बच्चों के लिए अगल विद्यालयों की व्यवस्था होती थी और शिक्षकों को बीएड करने के बाद एक साल का विशेष पाठ्यक्रम करना पड़ता था.अब प्रारंभ से ही इस भाषा को जानने से उनकी शिक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधार होगा. यह भी उल्लेखनीय है कि इस शिक्षा नीति में शिक्षक और शिक्षण प्रक्रिया पर बहुत जोर है. जब भी कोई नया शिक्षक विश्वविद्यालय में नियुक्त होगा, तो उसके लिए तीन माह के प्रशिक्षण की व्यवस्था होगी. बीएड पाठ्यक्रम को भी बहुआयामी बनाने का प्रयास किया गया है. इन प्रयासों के दूरगामी लाभ मिलेंगे.

क्षेत्रीय व स्थानीय भाषा में शिक्षा देने का सबसे बड़ा लाभ यह है कि विद्यार्थी को सीखने में बहुत आसानी होती है. इससे स्थानिक संस्कृति को भी जीवित रखने में मदद मिलेगी. ये छात्र आगे चलकर जब कोई रचना करेंगे, तो उसमें स्थानीय मानदंड और उदाहरण दे पायेंगे. हमें याद करना चाहिए कि अंग्रेजी शिक्षा के आने से पहले हमारे यहां तमाम स्थानीय भाषाओं में शिक्षा दी जाती थी.

लखनऊ में 9 अगस्त 1925 को हुआ था काकोरी कांड

काकोरी कांड में लूटे गए थे रूपए, हंसते–हंसते फांसी पर चढ़ गए थे 4 क्रांतिकारी

दैनिक बुलन्द भारत–ब्यूरो मुबंई के. रवि. (दादा)

मुबंई। काकोरी कांड ब्रिटिश हुकूमत के लिए बड़ी शर्मिंदगी की घटना थी. इसमें शामिल लोगों को गिरफ्तार करने का जबरदस्त दबाव था. ब्रिटिश पुलिस ने बड़े पैमाने पर गिरफ्तारियां की... भारतीय क्रांतिकारी आंदोलन के इतिहास में 9 अगस्त 1925 की तारीख हमेशा याद रखी जाएगी. इसी दिन क्रांतिकारियों के एक दल ने लखनऊ से 16 किलोमीटर दूर काकोरी में ट्रेन लूट कांड को अंजाम दिया था. हिन्दुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन के 10 क्रांतिकारियों के एक दल ने ट्रेन पर धावा बोला और सरकारी खजाना लूटकर ले गए. इस घटना को काकोरी कांड के नाम से जाना जाता है. उस समय क्रांतिकारियों ने काकोरी कांड के जरिए ब्रिटिश हुकूमत को खुली चुनौती दी थी.

काकोरी कांड के बाद लूटे गए पैसों का हिसाब–किताब हुआ. लखनऊ के पुलिस कप्तान ने बताया था कि काकोरी ट्रेन लूट कांड में कुल 4601 रुपए लूटे गए थे. आज के लिहाज से ये रकम काफी कम है. लेकिन 1925 में ये एक बड़ी रकम थी. 11 अगस्त 1925 को लखनऊ के पुलिस कप्तान ने ट्रेन लूट कांड पर रिपोर्ट जारी की थी. उस वक्त उन्होंने बताया था कि काकोरी लूट कांड में शामिल लोग खाकी पैंट और कमीज पहने हुए थे. वो करीब 25 लोग थे. दिखने में सब पढ़े–लिखे लग रहे थे. उनकी पिस्तौल और कारतूस को देखकर लगता था कि ये लोग बंगाल से जुड़े थे. बंगाल में क्रांतिकारी इसी तरह के पिस्तौल और कारतूस का इस्तेमाल करते थे.

काकोरी कांड ब्रिटिश हुकूमत के लिए बड़ी शर्मिंदगी की घटना थी. इसमें शामिल लोगों को गिरफ्तार करने का जबरदस्त दबाव था. ब्रिटिश पुलिस ने बड़े पैमाने पर गिरफ्तारियां की. इस कांड में सिर्फ 10 क्रांतिकारी शामिल थे. लेकिन कुल 40 लोगों को गिरफ्तार किया गया. ब्रिटिश पुलिस इस कांड की खानापूर्ती जांच कर जल्दी से जल्दी क्रांतिकारियों को सजा दिलवाना चाहती थी. काकोरी कांड का एतिहासिक मुकदमा करीब 10 महीने तक चला. इस दौरान पूरे भारत देश में इन क्रांतिकारियों की चर्चा थी. 1922 के चौरा चौरी कांड के बाद ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ क्रांतिकारियों का ये बड़ा कदम था. लोगों के मन में इस कांड में शामिल क्रांतिकारियों के प्रति अगाध श्रद्धा थी. अहिंसा के पथ पर चलने वाले बापू के समर्थकों में भी इनके लिए सदभावना थी. गिरफ्तार कर जेल भेजे जाने के बाद क्रांतिकारियों से मिलने कांग्रेस के कई बड़े नेता पहुंचे. जवाहरलाल नेहरू ने भी जेल जाकर उनसे मुलाकात की थी. कहा जाता है कि नेहरू चाहते थे कि उनका मुकदमा मशहूर वकील गोविंद वल्लभ पंत लड़ें. लेकिन उनकी फीस अधिक होने की वजह से मुकदमा बीके चौधरी ने लड़ा. लखनऊ की अदालत में काकोरी कांड का मुकदमा चला. ट्रेन डकैती में 4601 रुपए लूटे गए थे जबकि सरकार ने मुकदमा लड़ने में 10 लाख खर्च कर दिए. ये अपने आप में हैरानी वाली बात थी. 6 अप्रैल 1927 को इस पर फैसला सुनाया गया. जज हेमिल्टन ने ब्रिटिश कानून व्यवस्था की धारा 121ए, 120 बी और 396 के तहत सजाएं सुनाई.

क्रांतिकारी रामप्रसाद बिस्मिल, राजेन्द्रनाथ लाहिड़ी, रोशन सिंह और अशफाक उल्ला खां को फांसी की सजा सुनाई गई. इस कांड में शामिल दूसरे क्रांतिकारी शचिंन्द्रनाथ सान्याल को कालेपानी की सजा हुई. मन्मथनात गुप्त को 14 साल की सजा सुनाई गई. बाकियों को 10, 7 और 5 साल की सजा हुई. इस फैसले का देश की जनता ने जोरदार विरोध किया. देश की जनता आंदोलन पर उतर आई. लेकिन ब्रिटिश सरकार ने कोई संवेदना नहीं दिखाई. लखनऊ हाईकोर्ट ने भी नीचली अदालत का फैसला बरकरार रखा. इसके बाद 7 दिसंबर 1927 को सबसे पहले राजेन्द्रनाथ लाहिड़ी को फांसी दी गई. 19 दिसंबर 1927 को राम प्रसाद बिस्मिल को गोरखपुर जेल में फांसी दी गई. फांसी के फंदे की ओर जाते हुए वो भारत माता की जय और वंदे मातरम के नारे लगाते रहे. ब्रिटिश साम्राज्य के विनाश की कामना के साथ वो फांसी के फंदे पर झूल गए.

राम प्रसाद बिस्मिल के पार्थिव शरीर को पूरे शहर में घुमाया गया. लोगों ने उनके पार्थिव शरीर पर फूल और इत्र बरसाए. इस कांड में शामिल तीसरे क्रांतिकारी ठाकुर रोशन सिंह को इलाहाबाद में फांसी दी गई. अशफाक उल्ला खां को फैजाबाद की जेल में फांसी दी गई. इतिहासकार बताते हैं कि अशफाक उल्ला खां का पार्थिव शरीर 19 दिसंबर को शाहजहांपुर लाया गया. जिस ट्रेन से उनके पार्थिव शरीर को लाया जा रहा था वो बालामऊ रेलवे स्टेशन पर रूकी. वहां एक सूटबूट में अंग्रेज जैसा दिखने वाला शख्य आया और उसने कहा कि मैं शहीद ए आजम को देखना चाहता हूं. उस आदमी ने अशफाक उल्ला खां के पार्थिव शरीर के दर्शन किए और गायब हो गया. वो कोई और नहीं बल्कि चंद्रशेखर आजाद थे.

चंद्रशेखर आजाद को ब्रिटिश सरकार अपनी तमाम कोशिशों के बावजूद उन्हें ढूंढ़ नहीं पाई थी. काफी बाद 27 फरवरी 1931 को उनका सामना ब्रिटिश पुलिस से हुआ.पर पुलिस की गिरफ्तारी से बचने के लिए उन्होंने खुद को गोली मार ली. पर सुनने में आया हैं की आज भी इस मामले की फाइल लखनऊ की जांच एजंसी में धूल खाती पड़ी है . गौरतलब हो की जिस चंद्रशेखर आजाद ने देश के लिए अपने आप को मौत के हवाले किया ,उसी शाहिद चंद्रशेखर आजाद की माताजी जगरानी देवी जी की माली हालत इतनी खराब थी की उन्हें जंगल की लकड़ियां तोड़कर और गाय का गोबर बेचकर अपना पेट पालना पड़ा . पर उन दिनों आजाद की मौत के बाद लोगो के एक खेमे ने शहीद की मां कहने के बजाय एक लुटेरे की मां का दर्जा के तान्हे भी लोगो ने दिए थे . आज इतने सालो बाद भी हिंदुस्थान रिपब्लिकन एसोसिएशन जो उन क्रांतिकारियो की थी उसे चंद्रशेखर आजाद के पौत्र अमित आजाद ने जिंदा रखा हैं . और वे इसपर कोई ना कोई जागृति करते ही रहते है।

दोस्तो के साथ आया युवक नदी में डूबा

–युवक की तलाश में बाहर से बुलाये गए गोताघोर

–परिजनों ने प्रशासन पर लगाया लापरवाही का आरोप

दैनिक बुलन्द भारत–ब्यूरो बरेली अबधेश शर्मा

बरेली। फतेहगंज पश्चिमी थाना क्षेत्र के धनेटा का रहने वाला युवक रिषभ सिंह आज सुबह में अपने दोस्तों के साथ सावन माह का तीसरा सोमवार होने के कारण गोरा लोकनाथ पुर में रामगंगा नदी में नहाने के लिए गया था। जहां पर अपने दोस्तों के साथ नहा रहे रिषभ नदी में पानी अधिक होने के कारण डूब गया। जिसके बाद उसके दोस्तों ने उसे बचाने की कोशिश की मगर रिषभ का कुछ भी पता नही चला, तो उसके दोस्तों ने रिषभ के परिवार वालों को सूचना दी कि ऋषभ नदी में डूब गया। जिसका कोई पता नही चल रहा ।रिषभ के परिजनों को मामले की सूचना मिलते ही आनन फानन में मौके पर पहुच गए। जिसके बाद स्थानीय लोगों ने युवक के नदी में डूबने की सूचना प्रशासन को दी। मगर प्रशासन की ओर से काफी देरी बाद अधिकारी मौके पर पहुचे। जिस पर ग्रामीणों ने प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाया। घटनास्थल पर पहुंचे प्रशासन के अधिकारियों ने नदी में पानी अधिक होने के कारण जिले के अधिकारियों से बाहर से गोताघोर बुलाये जाने की मांग की। घटनास्थल पर युवक के परिजनों का रो रो कर बुरा हाल हो गया है। आशंका जताई जा रही है कि नदी मे पानी का बहाव तेज होने के कारण युवक बहकर आगे निकल गया हो। फिलहाल खबर भेजे जाने तक नदी में डूबे युवक की तलाश जारी थी।

भाजपा पार्षदों ने डीएम को सौंपा ज्ञापन

दैनिक बुलन्द भारत–ब्यूरो अलीगढ़ दीपक शर्मा

अलीगढ़। अलीगढ़ के थाना क्वार्सी इलाके के स्वर्ण जयंती नगर स्थित विवादित कब्रिस्तान को लेकर कुछ दिन पूर्व ही भाजपा और सपा के नेताओं के बीच तीखी नोकझोंक हुई थी जिस को लेकर विवाद ने तूल पकड़ लिया वहीं आज भाजपा से वार्ड नं 42 के पार्षद विजय तौमर ने अपने साथी पार्षदों के साथ मिलकर कलेक्ट्रेट पहुँचकर डीएम सैलवा कुमारी जे को ज्ञापन सौंपा और विवादित कब्रिस्तान की जमीन को लेकर निष्पक्ष जांच कराने की मांग की भाजपा से वार्ड नं 42 के पार्षद विजय तोमर ने बताया कि कब्रिस्तान की जमीन विवादित है जिसकी निष्पक्ष जांच के लिए डीएम को ज्ञापन सौंपा है अगर जांच में जमीन सरकारी पाई जाती है तो उस पर शीघ्र नलकूप को लगाने का आदेश दिया जाए क्योंकि पूर्व में भी कई शमशान घाट, कब्रिस्तान पर नलकूप लगे हुए हैं जिससे पेयजल व्यवस्था सही ढंग से सुचारू हो सके और जमीन अगर किसान की है तो उस पर किसान का मालिकाना हक दिलाया जाए और वही सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएं इस मौके पर पार्षद पुष्पेंद्र जादौन, सुरेंद्र पचौरी संजय पंडित आदि मौजूद रहें।

आक्रामक विपक्ष और बौखलाती सरकार

जयशंकर गुप्त

पेगासस जासूसी प्रकरण को लेकर मोदी सरकार की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रहीं। विपक्ष के हंगामे के कारण संसद के मानसून सत्र का तीसरा सप्ताह भी बाधित ही रहा। दूसरी तरफ, संसद से लेकर सड़क तक पेगासस जासूसी प्रकरण के साथ ही किसान आंदोलन, महंगाई और बेरोजगारी के सवाल पर विपक्ष की एकजुटता के प्रयास तेज हो रहे हैं। विपक्ष की कवायद को देखते हुए प्रधानमंत्री मोदी, उनकी सरकार के मंत्री और पार्टी के प्रवक्ता इन मुद्दों पर संसद में चर्चा कराने के बजाय संसद नहीं चलने देने के लिए विपक्ष को जिम्मेदार ठहराते हुए उसे कोस रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने विपक्ष पर संसदीय गतिरोध ा के जरिए देश हितविरोधी राजनीति करने तथा संसद का अपमान करने का आरोप भी लगाया है। ओलंपिक खेलों का संदर्भ लेकर उन्होंने कहा है कि एक तरफ देश जीत के गोल पर गोल कर रहा है, वहीं कुछ लोग श्सेल्फ गोलश करने में लगे हैं। जब देश के प्रधानमंत्री विपक्ष के बारे में इस तरह की भाषा बोल रहे हों तो भला उनके मंत्री और पार्टी के प्रवक्ता पीछे कैसे रह सकते हैं। कल तक केंद्र सरकार में वरिष्ठ मंत्री रहे भाजपा के प्रवक्ता रविशंकर प्रसाद ने कहा है कि कांग्रेस के डीएनए में संसद के सम्मान के संस्कार ही नहीं हैं। ऐसा कहते हुए वे और उनके नेता आसानी से भूल जा रहे हैं कि उनकी पार्टी ने संप्रग सरकार के जमाने में किस तरह से संसद के सत्र दर सत्र बाधित किए थे। तब उन्हें संसद में हल्ला–हंगामा विपक्ष का संसदीय दायित्व और लोकतांत्रिक अधिकार लगता था लेकिन अब विपक्ष की वही भूमिका उन्हें देशहित के विरुद्ध और संसद का अपमान नजर आ रही है। लेकिन इस सबका विपक्ष की आक्रामकता पर खास असर नहीं पड़ रहा है। तकरीबन एकजुट विपक्ष पेगासस जासूसी प्रकरण पर चर्चा होने तक संसद के दोनों सदनों को बाधित करने पर अडिग है। और अब तो विपक्ष महंगाई और बेरोजगारी के सवाल को भी इसके साथ जोड़ते हुए सड़क पर भी उतरने लगा है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की चाय–नाश्ते पर आयोजित बैठक में दर्जन भर विपक्षी दलों के नेताओं–प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। बैठक के बाद इन दलों के नेता–सांसद संसद भवन तक साइकिल यात्रा लेकर गए। इस साइकिल यात्रा में शामिल राहुल गांधी से लेकर विपक्ष के अन्य सांसदों के पास प्लेकार्ड्स थे जिन पर पेगासस जासूसी प्रकरण से लेकर महंगाई और बेरोजगारी के विरोध में नारे लिखे थे। इसके दो दिन बाद इन्हीं मांगों के साथ युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने संसद भवन के पास पुलिस की तरफ से तेज धार पानी की बौछारों के बीच भारी विरोध प्रदर्शन किया। राहुल गांधी के साथ इन दलों के नेता और सांसद किसानों के धरने में भी शामिल हुए। दरअसल, एक अरसे तक पस्तहाल रहे विपक्षी दलों के लिए बिहार और पश्चिम बंगाल के चुनावी नतीजों ने एक तरह के राजनीतिक आक्सीजन का काम किया है। बिहार में तो बहुत कम अंतर से विपक्ष सरकार बनाने से चूक गया लेकिन पश्चिम बंगाल में एक बार फिर खुद के बूते विजेता के रूप में उभर कर आई ममता बनर्जी में विपक्ष को एक सीमेंटिंग फोर्स और प्रधानमंत्री मोदी को चुनौती दे सकनेवाली जुझारू नेता नजर आने लगी है। ममता बनर्जी ने खुद भी बंगाल से बाहर निकल कर राष्ट्रीय राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के संकेत देने शुरू कर दिए हैं। उनके लिए चुनावी रणनीतिकार की भूमिका निभानेवाले प्रशांत किशोर अलग से सक्रिय हैं। उन्होंने शरद पवार से लेकर विपक्ष के अन्य प्रमुख नेताओं से मिलना–जुलना और उनकी नब्ज टटोलना शुरू कर दिया है। शरद पवार और ममता बनर्जी ने भी भाजपा को मजबूत चुनौती देने की गरज से विपक्ष की एकजुटता पर बल दिया है। ममता बनर्जी ने अपनी हाल की दिल्ली यात्रा में अन्य नेताओं के साथ ही कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और निवर्तमान अध्यक्ष सोनिया गांधी से भी मुलाकात की। विपक्ष को एकजुट करने की इस मुहिम के कुछ गलत अर्थ नहीं निकलें, इसके लिए शरद पवार से लेकर ममता बनर्जी ने भी यह साफ करने की कोशिश की है कि कांग्रेस को परे रखकर विपक्ष की एकजुटता कारगर नहीं होगी।

बहुरूपता दादा कोंडके की वर्षगांठ

दैनिक बुलन्द भारत–ब्यूरो मुंबई के. रवि (दादा)

मुबंई। वर ढगाला लागली कल पाणी थेंब थेंब गल . यह साल 1978 को प्रदर्शित एक मराठी फिल्म का मशहूर गीत है „ जो गायक महेंद्र कपूर और उषा मंगेशकर ने गाया हैं , और इसको मराठी फिल्म इंडस्ट्री के मशहूर डबल मीनिंग अभिनेता दादा कोंडके पर फिल्माया गया हैं . यह दादा कोंडके एक ऐसा नाम है जिन्हें सिर्फ अपने भारत या महाराष्ट्र ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया जानती हैं . कृष्णा खंडेराव कोंडके यह दादा का मूल नाम हैं . जो महाराष्ट्र के पुणे के भोर गांव के निवासी है . लेकिन दादा का जन्म मुंबई के लालबाग में एक मिल मजदूर के यहाँ हुआ था. उन्होंने इसे ष्कृष्णष नाम दिया क्योंकि उस दिन गोकुलाष्टमी का जन्मदिन था. वे हर घर में स्नेही थे और इसीलिए स्कूल की उम्र में भी उनके नाम से जुड़ी दादा की उपाधि अंत तक बनी रही. अपने पिता और भाई की मृत्यु के कारण, वह घर का कमाने वाला इकलौता लडका था, इसलिए मुंबई के ष्अपना बाजारष में काम करते हुए, उन्होंने अपने शौक पर भी ध्यान दिया . इस बीच, दादा सेवा दल की ओर आकर्षित हुए. हालांकि वे सेवादल के बैंड में काम कर रहे थे, लेकिन उनके अंदर छिपी कलाकार की आवाज ने उन्हें चौन से बैठने नहीं दिया . घर पर निरंतर भजन–कीर्तन के रूप में, उन्हें गीत लेखन और गायन में रुचि हो गई . सेवा के दौरान उनकी मुलाकात नीलूभाऊ फुले और राम नागरकर से हुई. दादा अब सेवादल के नाटकों में छोटे–बड़े काम करने लगे थे. दादाजी, जो बचपन से ही मूल रूप से शरारती, और लापरवाह थे, वे सोडा पानी की बोतलों और पत्थर की ईंटों से भी लोगो से लढे थे. अपने बड़े भाई की मृत्यु को देखने के बाद, उन्होंने अपना शेष जीवन खुशी–खुशी और खेल–कूद में बिताने का फैसला किया. मजदूर वर्ग में दादाष्बैंडवाले दादा के नाम से जाने जाते थे . आगे इसी क्षेत्र में दादा को आजीवन मित्र मिले. दादा के सुपरस्टार बनने के बाद भी इन मंडलियों को नहीं भुलाया गया . पर निजी ब्याहता जीवन का सुख उन्हें प्राप्त नहीं हुआ. उनकी पत्नी नलिनी की समय से पहले मौत हो गई . नुक्कड़ नाटक में अपने हास्य के बल पर कॉमेडियन को कॉमेडी की टाइमिंग पर हंसी आती थी, लेकिन उनके कुछ साथियों ने यह नहीं भा रहा था . आखिर खनकपुरचा राजा में की अपने मशहूर हंसी के किरदार को छोड़कर दादा ने सेवा दल छोड़ा .और खुद का सांस्कृतिक बिसाद तैयार किया . अब दादा शाहीरबन चुके थे . बाद में, वसंत सबनीस के नाटक विच्चा मांझी पुरी करा ने दादा कोंडके के अभिनय को घर घर तक पहुंचा दिया . विच्छा, के 1500 से ज्यादा प्रयोग सफल हुए . उसके बाद दादा के गुरु, सम्मान की जगह और मराठी फिल्म इंडस्ट्री के स्तंभ के साथ भालजी पेंढारकर की 1969 में प्रदर्शित फिल्म तांबड़ी माती से मराठी इंडस्ट्री में अपना कदम रखा . और खुद का एक मजबूत स्थान निर्माण किया . भालजी पेंढ़ारकर ने इस हीरे की पहचान की थी . सोंगड्या 1971 में रिलीज हुई थी .पर यह फिल्म सिनेमाघरों में उपलब्ध नहीं थी. क्यों की उसे थेटर नही मिलते थे . लेकिन मराठी लोगों के अधिकारों के लिए संघर्ष कर रहे हिंदू हृदय सम्राट बालासाहेब ठाकरे ने उन्हें सोंगाड्या के लिए सिनेमाघर हासिल करवा दिया और यह फिल्म दादा के लिए मील का पत्थर बन गई .पूरे महाराष्ट्र ने सचमुच दादा और उनकी फिल्म को सिर पर रख लिया .इस अभूतपूर्व सफलता से दादाजी स्वयं अभिभूत थे. लेकिन उन्होंने लोकप्रियता का अहंकार नहीं रखा, सोंगाड़या के बाद दादा की एक के बाद एक फिल्में आईं .साल 1972 में श्एकटा जीव सदाशिवश रिलीज हुई थी .

उस समय मराठी फिल्मों को अमराठी मंडली और हर उम्र के लोग इसे देखते थे . इन फिल्मों की लोकप्रियता अपने चरम पर पहुंच गई, इसलिए राज कपूर ने भी अपनी फिल्म श्बाबीश को पांच महीने देरी से रिलीज किया . आंधला मारतो डोला, पांडु हवालदार, राम राम गंगाराम, ह्योच नवरा पाहीजे, बेट लविन तिथं गुदगुल्या, ऐसे सोलह मराठी फिल्में, चार हिंदी फिल्में अंधेरी रात में दिया तेरे हाथ में , आगे की सोच , तेरे मेरे बीच में , खोल दे मेरी जुबांन और दो गुजराती फिल्में चंदू जमादार और राम राम अमथाराम ना केवल प्रदर्शित हुईं, बल्कि तूफान चली . अभिनेत्री उषा चव्हाण उनकी पसंदीदा सहनायिका .उनकी फिल्मों का उपहास ही कमर के नीचे चुटकुले के रूप में किया गया था, लेकिन दर्शकों को दिल से हंसाने का ब्रीद खरा करते हुए, तो कभी–कभी राजनीतिक स्थिति के अनुसार नेता की क्रियाओं पर वो उंगली उठाई . दादा का सेंसर बोर्ड और उनके निजी जीवन को लेकर भी विवाद हो गया. दादा के नौ फिल्मे लगातार सिल्वर जुबली बनी . यह वर्ल्ड गिनीज बुक में भी सूचीबद्ध है. उनकी लोकप्रियता चरम पर थी .यह हास्य का राजा जिसने लोगों को हंसाया, वह अपने जीवन में एकमात्र अकेला प्राणी ही बना रहा. ऐसे बहुआयामी बहुरूपी को जन्मदिन की बधाई! यही हम फिल्मी चहेतो की और से दादा जी को भावभीनी श्रद्धांजलि।

मुहर्रम उल हराम 2021 यौमे आशूरा 20 अगस्त को

दैनिक बुलन्द भारत–ब्यूरो सहारनपुर

प्रस्तुति– मंजर हुसैन काजमी

बार एसोसिएशन सहारनपुर सदस्य एवं स्थाई अधिवक्ता सेंट्रल शिया वक्फ बोर्ड उत्तर प्रदेश मंजर हुसैन काजमी द्वारा इत्तेला दी जाती है कि आज (09 अगस्त 2021) को माहे मोहर्रम के चाँद की तसदीक नही हुई। लेहाजा कल (10 अगस्त 2021) को माहे जिलहिज्जा सन 1442 हिजरी की तीस (30) तारीख होगी। माहे मोहर्रम सन् 1443 हिजरी की पहली तारीख 11 अगस्त 2021 को होगी। 10 मोहर्रम 1443 हिजरी यानि यौमे आशूरा 20 अगस्त 2021 को है।

मंजर हुसैन काजमी

स्थाई अधिवक्ता

उत्तर प्रदेश शिया सेन्ट्रल वक्फ बोर्ड।

इंस्टीट्यूट आफ इवेंट मैनेजमेंट का शुभारंभ, मेयर डॉक्टर उमेश गौतम ने किया उद्घघाटन

दैनिक बुलन्द भारत–ब्यूरो बरेली
भरत सिंह पटेल

बरेली। इवेंट इंडस्ट्री की युवा विशेषज्ञ श्रुति श्वेता कुमार और विशाल शर्मा ने रुहेलखंड में पहला इवेंट मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट खोलने के लिए बड़ी पहल की। इस दौरान इवेंट इंस्टिट्यूट की अध्यक्ष एवं सीईओ सुश्री श्वेता कुमार ने कहां कि इवेंट जीवन रचनात्मक और जुनून से भरा है। यदि किसी के पास अपनी रचनात्मकता को सीमा से आगे ले जाने की ऊर्जा है तो वह एक सफल इवेंट एंटरप्रेन्योर बन सकता है। इवेंट मैनेजमेंट को कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रमाण पत्रों से सम्मानित किया गया है, जो उनकी सेवा की गुणवत्ता को साबित करते हैं। उद्योग की आधुनिक आवश्यकताओं पर ध यान केंद्रित करते हुए अध्ययन संरचना तैयार की गई है। जो छात्रों को इवेंट्स में किसी भी चुनौती का सामना करने में सक्षम बनाती है। हमारे पास एक महान अध्ययन वातावरण और अद्भुत संकाय सदस्यों का समूह है। जो उद्योग के अपने क्षेत्र में सफल विशेषज्ञ और

प्रोफेशनल्स हैं। इवेंट इंस्टीट्यूट ने बड़ा बिजनेस और डिजीपरफॉर्म, दो सफल कंपनियों के साथ साझेदारी की है। जिसके माध्यम से मैनेजमेंट में गहन अध्ययन संरचना और उद्यमिता और डिजिटल मार्केटिंग का बुनियादी ज्ञान सीखने को मिलेगा। सुश्री श्वेता कुमार ने कहा कि वह अपने छात्रों को अपना कैरियर शुरू करने के लिए 100: प्लेसमेंट सहायता भी प्रदान करती है। बरेली रुहेलखंड क्षेत्र में पहला इवेंट मैनेजमेंट संस्थान है जो बरेली के शहर वासियों को अपने शहर में इवेंट मैनेजमेंट के बारे में सीखने और जानने का मौका देता है। आई ई एम भारत में प्रमुख इवेंट मैनेजमेंट संस्थान है। यह भारत के विशाल बहुआयामी इवेंट मैनेजमेंट उद्योग की बढ़ती आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए स्थापित किया गया है। बरेली के युवाओं के लिए शहर में एक सुनहरा अवसर है आई ई एम इवेंट मैनेजमेंट में अलग–अलग पाठ्यक्रम प्रदान किए गए हैं। जिन्हें डिप्लोमा इन इवेंट्स(DE),पोस्ट ग्रेजुएशन डिप्लोमा इन इवेंट्स(PGDE) और पोस्ट ग्रेजुएशन डिप्लोमा इन एडवरटाइजिंग, मीडिया एंड इवेंट्स(PGDAME) के रूप में वर्गीकृत किया गया है। आई ई एम में विशेषज्ञ प्रशिक्षण है, जो पिछले 10– 20 वर्षों से उद्योग में है। कोविड–19 के कारण छात्रों को अपनी उच्च शिक्षा और अपनी रुचि के विधाओं के लिए शहर से बाहर जाने में समस्याओं का सामना करना पड़ रहा था।

लेकिन अब आई ई एम उन्हें अपने केंद्र के साथ–साथ आई ई एम परिसर में सीखने का एक शानदार मौका दे रहा है। छात्रों को शहर के साथ–साथ पैन इंडिया में 100: प्लेसमेंट सहायता प्रदान की जाएगी।

बुलंदशहर में बलात्कारियों के खिलाफ फांसी की मांग को लेकर भीम आर्मी का कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन

दैनिक बुलन्द भारत–ब्यूरो
बुलंदशहर
त्रिलोक चन्द

बुलंदशहर। सरकार के बेटियों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर दावे फेल होते हुए नजर आ रहे हैं। जहां बेटियो के साथ हो रहे गैंगरेप जैसी वारदात के ग्राफ को बढ़ता देखा जा रहा है। वही दोषियों पर फांसी जैसी कड़ी कार्यवाही हो इसको लेकर भीम आर्मी के पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट गेट पर प्रदर्शन कर एक ज्ञापन महामहिम राष्ट्रपति के नाम जिलाधिकारी को दिया। गैंगरेप की वारदात को अंजाम देने में दरिंदों को भीम आर्मी पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं के द्वारा लगातार सरकार से फांसी की मांग की जा रही है।

नगर के काला आम चौराहे से कलेक्ट्रेट गेट तक भीम आर्मी के पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। कलेक्ट्रेट पहुंचकर महामहिम राष्ट्रपति जी के नाम जिलाधिकारी बुलंदशहर को एक आरोपियों की

फांसी की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा। आपको बता दें कि विगत समय में दिल्ली में हुई नाबालिक बच्ची के साथ गैंगरेप की घटना ने लोगों का दिल दहला दिया है जहां श्मशान घाट में पानी लेने गई एक बाल्मीकि समाज की बच्ची के साथ गैंगरेप की घटना को अंजाम दे डाला था जिसको लेकर आज बुलंदशहर में शेखर कुमार जिलाध्यक्ष भीम आर्मी के नेतृत्व में भीम आर्मी के पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। भीम आर्मी के पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं ने बच्ची की आत्मा की शांति के लिए मौन धारण किया। वही रोष जताते हुए सरकार से मृतक बच्ची के परिवार को एक करोड़ की आर्थिक सहायता, एक सरकारी आवास, परिवार के किसी भी सदस्य को योग्यता अनुसार सरकारी नौकरी, बच्ची के दोषियों के खिलाफ फांसी की मांग की है। शेखर कुमार (जिलाध्यक्ष भीम आर्मी) बबीता गौतम (निवर्तमान जिलाध्यक्ष महिला मोर्चा असपा) हेमलता सिंह, नीतू सिंह, सुषमा सिंह, रुखसार अंसारी, नीरज निगम जिला महामंत्री भीम आर्मी, रोहित कुमार, विपिन कुमार विधानसभा अध्यक्ष बुलंदशहर भीम आर्मी, गुड्डू गौतम जिला उपाध्यक्ष भीम आर्मी, लक्ष्य गौतम, आयुष आनंद, सनी बाल्मीकि, शिवेंद्र बाल्मीकि, सहित सैकड़ों पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मरीजों की मौत के सौदागरों पर सीएमओ की टेढ़ी नजर, मचा हड़कंप

दैनिक बुलन्द भारत–ब्यूरो सीतापुर
धर्मेन्द्र पांडेय

सीतापुर। जनपद में स्वास्थ्य सेवाओं के नाम पर गरीबों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ कर रहे झोलाछाप डॉक्टर कुछ समय से समाचार पत्र की सुर्खियों में अक्सर मिले हैं जैसा कि जनपद में कई ऐसी दुर्घटनाएं भी झोलाछाप डॉक्टर के द्वारा हो चुकी हैं समाचार पत्र में प्रकाशित खबरों का संज्ञान लेते हुए हरकत में आया जिला प्रशासन। गिरेगी गाज अब झोलाछाप डॉक्टर व फर्जी हॉस्पिटल पर। स्वास्थ्य सेवाओं के नाम पर गरीबों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ करना पड़ेगा महंगा झोलाछाप डॉक्टरों के खिलाफ स्वास्थ्य महकमा गंभीर नजर आया। जिसमें मुख्य चिकित्सा अधिकारी सीतापुर डॉ मधु गैरोला ने झोलाछाप डॉक्टरों के खिलाफ ठोस कदम उठाने के निर्देश जारी दिए हैं,,,,, मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा

जनपद के सभी ए एन एम और आशाओं को निर्देश दिए है कि अप्रशिक्षित चिकित्सकों का चिन्हीकरण करें, और उनकी सूची बनाकर उपलब्ध कराएं, व साथ ही डॉ मधु गैरोला ने जनपद के सभी सीएचसी अधिक्षकों को निर्देश देते हुए कहा कि क्षेत्र में झोलाछाप डॉक्टरों के विरुद्ध प्राथमिकता दर्ज कराई जाए, व सभी अधीक्षक अपने क्षेत्र का भ्रमण करते रहे झोलाछाप डॉक्टरों को चिन्हित कर उप जिलाधिकारी व पुलिस प्रशासन से संमन्वय स्थापित करते हुए नियमानुसार प्राथमिकता दर्ज करा कर कड़ी कार्रवाई करे, तथा कृत कार्रवाई से 1 सप्ताह के अंदर अधोहस्ताक्षरी एवं जिला अधिकारी महोदय सीतापुर को अवगत कराना सुनिश्चित करें। इसमें किसी भी प्रकार की कोताही न बरती जाए। आदेश वायरल होते देख झोलाछाप डॉक्टरों मैं मची अफरा–तफरी, किसी भी वक्त गिर सकती है गाज झोलाछाप डॉक्टर व फर्जी अस्पतालों पर।

श्री शल्लेश्वर मन्दिर में श्रावण मास के तीसरे सोमवार को सुबह तीन बजे से ही भक्तों की लगी भीड़, पुलिस बल तैनात

दैनिक बुलन्द भारत–ब्यूरो हमीरपुर
पंकज शर्मा

हमीरपुर। जिले के सरीला नगर में स्थित प्रसिद्ध प्राचीन श्री शल्लेश्वर मन्दिर में आज सुबह तड़के तीन बजे से ही भक्तों का आना शुरू हो गया। क्योंकि आज श्रावण मास का तीसरा सोमवार है। मंदिर में सुबह तीन बजे से से बम बम भोले के जयकारों से नगर गूंज उठा। यहां दूरदराज आसपास के गांव से हजारों भक्तों ने बेतवा नदी व गंगा नदी से जलभर श्री शल्लेश्वर मन्दिर में जलाभिषेक किया। कोरोना की तीसरी लहर को देखते हुए मन्दिर समिति एवं प्रशासन ने मन्दिर परिसर के बाहर पेन्ट से गोले बनवा दिये गए हैं। यहां प्रतिवर्ष सावन के प्रत्येक सोमवार को हजारों की भीड़ उमड़ने लगती थी। लेकिन कोरोना के कारण इस वर्ष भी सावन महोत्सव व कंवर यात्रा एवं अन्य कार्यक्रमों को नहीं किया गया है।आज सुबह चार बजे से जरिया थाना के उपनिरीक्षक प्रेमचन्द मौर्या,कांस्टेबल नरेंद्र यादव,नरेश कुमार, अमित मिश्रा,महिला कांस्टेबल सरिता तिवारी सहित पुलिस बल मुस्तैद है।

वुमनिया प्रदर्शनी में महिलाओं को भाया साज श्रंगार का सामान

–महिलाओं के हथकरघा (होम मेड) वस्तुओं का हुआ प्रदर्शन
–गृहलक्ष्मी फाउंडेशन ने सृजित किये रोजगार के अवसर

दैनिक बुलन्द भारत–ब्यूरो अलीगढ़
नरेन्द्र शर्मा

अलीगढ़। महिलाओं के लिए लाइफ स्टाइल एवं फैशन प्रदर्शनी वुमनिया गांधी पार्क चौराहे के पास सिटी क्लब में आयोजित की गई।यहां पर महिलाओं के आगामी प्रमुख त्योहार करवा चौथ,हरियाली तीज,रक्षा बंधन आदि के दृष्टिगत महिलाओं द्वारा निर्मित साज और श्रंगार की वस्तुओं का प्रदर्शन किया गया जो आगन्तुक महिलाओं को खूब भाया।इस दौरान वुमनिया प्रदर्शनी का आयोजन गृह लक्ष्मी फाउंडेशन द्वारा किया गया जबकि इसका शुभारंभ भारत सरकार,दिल्ली की वरिष्ठ अधिवक्ता गीतांजलि शर्मा ने फीता काटकर व इनरव्हील क्लब की डिस्ट्रिक्ट चेयरमैन डॉ.दिव्या लहरी ने दीप प्रज्वलित कर किया।वहीं एडीएम सिटी राकेश मालपानी की धर्मपत्नी मनीषा मालपानी ने उत्कृष्ट स्टाल लगाने बाली महिलाओं को सम्मानित कर उनका उत्तसाहवर्धन किया।आपको बता दें कि होटल धीरज पैलेस में आयोजित प्रदर्शनी की संयोजक काजल धीरज ने बताया कि महिलाओं को रोजगार के अवसर सृजित करने हेतु अलीगढ़ की गृहणियों द्वारा लगाए जाने बाली इस प्रदर्शनी में हथकरघा कलकत्ता व बनारस की साड़ियां,कॉस्मेटिक उत्पाद, हैंड मेड ज्वैलरी,अचार–पापड़,वेस्ट मैटीरियल से बने गिफ्ट आदि प्रदर्शित किए गए हैं।प्रदर्शनी में हर्षिता गुप्ता,प्रीति अग्रवाल, रचना जैन,रेशू वशिष्ठ ,रिमझिम, सीमा, तनुजा, अर्चना गर्ग, दीवा, दिव्या, चंचल जिंदल, मिंटू, डॉली ने अपने यहां के उत्पाद लगाए।

सावन मे चढ़ा भक्तो को शिव भोले का रंग

सरया बुजुर्ग के प्राचीन शिव मंदिर में भक्तों ने किया जलाभिषेक

दैनिक बुलन्द भारत–ब्यूरो कुशीनगर
धर्मेन्द्र कुमार कन्नौजिया

तमकुहीराज/कुशीनगर। आज सावन के तीसरे सोमवार को सरया बुजुर्ग के प्राचीन शिव मंदिर में हजारों की संख्या में दूर दूर से पहुंचे शिव भक्तों ने जलाभिषेक किया सावन के महीने मे भोले शंकर के भक्तो मे भक्ति का रंग न हो ऐसा कभी हो नही सकता भक्ति से किसी को भी अपने ओर खींच सकता और खासकर सावन के पावन महीने में भक्तो मे कुछ अलग ही तरह की भक्ति देखने को मिलता हैं।

कुशीनगर जिले के प्राचीन शिव मंदिर जो कि तमकुहीराज ब्लाक के

ग्राम सभा सरया बुजुर्ग में स्तिथ हैं जो कि बहुत ही प्राचीन शिव मंदिर के नाम से विख्यात है। जहाँ पर इस जिले से लेकर अन्य पड़ोसी जिले बिहार से भी भारी संख्या में बाबा भोलेनाथ को जलाभिषेक करने के लिए पहुचते हैं और इस मंदिर में खासकर सोमवार व शुक्रवार को ज्यादातर शिव भक्त रुद्राभिषेक करते हैं ताकि भोलेनाथ की कृपा उन पर बनी रहे। उसके बाद से वहाँ उपस्थित लोगों को प्रसाद भी ग्रहण कराते हैं। इस दौरान सावन के महीने में सोमवार व शुक्रवार के दिन श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिलती है।इस दौरान भक्तो को कोई असुविधा न हो इसके लिए पटहेरवा थानाध्यक्ष सुनील कुमार सिंह पुलिस की व्यवस्था वहाँ की निगरानी व श्रद्धालुओं को दिक्कतों से बचने के लिए किये रहते हैं और खुद भी उसका मुआयना करते हैं इस दौरान समउर के चौकी इंचार्ज के साथ उनके स्टाप जब तक श्रद्धालुओं की भीड़ जलाभिषेक करके वापस न चले जायें तब तक प्रशासन की मौजूदगी वहाँ पर रहती है।

LIC. No. : 123942 CIN No. : U85300UP2021NPL142752

समाधान
JAN-KALYAN FOUNDATION
Regd. Office : 5A/107, New Moradabad, Delhi Road-Moradabad 244001 Ph. No. : 0591-2973311
Web Site : www.samadhanjkfoundation.org, E-Mail : info@samadhanjkfoundation

आइए !!
अपनी समस्या का समाधान करें ।
दूसरे की समस्या में काम आएं।।
जी हां!
आपके दिमाग/ जेहन/माइंड में, कोई भी समस्या हो, चाहे वह भौतिक हो, हवाई/ आसमानी/ ग्रह संबंधी/ पॉलिटिकल/ सामाजिक/ आर्थिक/ अन्य उलझन हो उसका कोई ना कोई समाधान अवश्य है।
क्योंकि समस्याएं हैं ,तो समाधान भी है! आप अपनी समस्या बेझिझक शेयर करिए।
हम आप की हर उस समस्या के समाधान के लिए संबंधित सब ओर्डिनेटर/ सहायक/ रैग पिकर/ अथवा समाधान ट्रैकर्स टीम के सक्षम सदस्य को ट्रांसफर कर देंगे और प्रयास करेंगे कि आपकी समस्या का समाधान हमारी सोशल ऑर्गेनाइजेशन संस्था समाधान जन कल्याण फाउंडेशन द्वारा हो। हम आपको भी आमंत्रित करते हैं, क्योंकि आप खुद भी किसी ना किसी समस्या के समाधान हैं, या यूं कहिए आपके पास भी किसी अन्य व्यक्ति की किसी समस्या का समाधान जरूर है। चाहे आप अपने आप को कितना भी बेकार क्यों ना समझते हों।
अब परेशान न हों,
हमारी समाधान ट्रैक्कर टीम के सदस्य बनिए और अपने आसपास अन्य समस्या ग्रस्त मानव जाति की भलाई के लिए मदद करने में आगे आएं।
अपनी सेवाएं आप निशुल्क भी दे सकते हैं और चाहें तो बहुत कम से कम शुल्क अपनी सेवा पर ले सकते हैं।
आप किसी भी प्रकार के छोटे बड़े डॉक्टर/ हकीम हैं। आप किसी भी प्रकार के मिस्त्री कारीगर हैं। आप किसी भी प्रकार की सेवा देने वाले व्यक्ति हैं। आप कुछ ना कुछ जानते हैं परंतु बेरोजगार हैं। आपकी किसी ना किसी को किसी ना किसी प्रकार से आप जैसे व्यक्ति की आवश्यकता है तो आप हम से अवश्य जुड़ें ताकि आपकी सेवाएं भी किसी अन्य को दी जाएं ताकि उससे आपका भी भला हो।

मोहम्मद सलीम रूमी
9319521411

www-samadhanjkfoundation-org
Mail&&samadhanjkfoundation-com
मुख्य डायरेक्टर–समाधान जन कल्याण फाउंडेशन, मुरादाबाद।

प्रधानमंत्री स्वच्छता दूत को मिला प्रथम कोरोना योद्धा सम्मान

दैनिक बुलन्द भारत–ब्यूरो वाराणसी
मो० आदिल

वाराणसी। एक और जहां पूरा विश्व कोरोना महामारी से जंग लड़ रहा है वहीं दूसरी तरफ वाराणसी के

मूलनिवासी गंगा पहरी दर्शन निषाद महामारी में हिम्मत नहीं हारी बल्कि कोरोनावायरस मरीजों को गांव गली शहर के गरीबों तक पहुंच कर खाना कपड़ा और अनाज पहुंचाते रहे इसी कड़ी में देश के प्रधानमंत्री श्री मोदी जी ने एक कार्यक्रम के दौरान दर्शन निषाद जी के कंधे पर हाथ रखकर बहुत प्रशंसा किया और कहा आपका कार्य बहुत सराहनीय है हौसले के साथ इस काम को और तेजी से अंजाम दीजिए उसके बाद दर्शन निषाद जी ने लाउडस्पीकर के माध्यम से अपने मुख के माध्यम से निस्वार्थ लोगों की सेवा किया प्रदेश के एक बहुत बड़े अखबार ने एक सर्वे करा कर श्री दर्शन निषाद जी को अपनी संस्थान का प्रथम पुरस्कार से नवाजा इस बात की खबर लगते ही गांव के ग्रामीणों में खुशी की लहर दौड़ गई मालूम हो कि दर्शन निषाद जी गंगा नदी की गाय मानी जानी वाली मछली जिसको डॉल्फिन के नाम से जाना जाता है उसका संरक्षण किया जाना बहुत जरूरी है अक्सर देखा गया है के दर्शन निषाद डॉल्फिन को बचाने में एक कदम आगे खड़े दिखाई देते हैं।

पुलिस ने गुमशुदा बच्चे की तलाश कर परिजनों को सौंपा

दैनिक बुलन्द भारत–ब्यूरो सीतापुर
धर्मेन्द्र पांडेय

सीतापुर। लहरपुर कोतवाली पुलिस ने गुम हुए बच्चों को तलाश कर परिजनों को सौंप कर किया सराहनीय कार्य। प्राप्त जानकारी के अनुसार आज सालिया पत्नी लतीफ निवासी मोहल्ला बागवानी टोला अपनी रिश्तेदारी ग्राम तारनपुर से अपने बच्चे वसी 11 वर्ष, तम्जिद 8 वर्ष के साथ अपने घर वापस आ रही थी, तभी ग्राम गणेशपुर नेवादा भट्टे के पास भीड़ भाड़ होने की वजह से उसके दोनों बच्चे बिछड़ गए, मां सालिया द्वारा काफी तलाश करने के बाद जब बच्चों का कुछ पता नहीं चल सका तब उसने कोतवाली आकर प्रभारी निरीक्षक को अपने बच्चों के गुम होने की सूचना दी, प्रभारी निरीक्षक द्वारा तत्काल टीम गठित कर उप निरीक्षक पवन कुमार मिश्रा व हेड कांस्टेबल अबू हादी खान को बच्चे की सकुशल बरामदगी हेतु लगाया गया, पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुये घटनास्थल से नगर आने वाले मार्ग पर जांच करते हुए दोनों बच्चों को विश्वा गेट के पास से सकुशल बरामद कर लिया और बच्चों के सकुशल मिलने की सूचना उनके परिजनों को दी गई कोतवाली में बच्चों को उनके माता–पिता के सुपुर्द किया गया। अपने बच्चों को सकुशल पाकर बच्चों के माता–पिता ने कोतवाली पुलिस के प्रति आभार व्यक्त किया।

जिला उपाध्यक्ष बनाया हाजी इस्लाम को

चौधरी सुदेश पाल भाकियू तोमर की लीडरशिप

दैनिक बुलन्द भारत–ब्यूरो
सहारनपुर
संवाददाता (शहजाद)

उत्तर प्रदेश के जिला सहारनपुर के ग्राम कैलाशपुर में हाजी इस्लाम के आवास पर भारतीय किसान यूनियन तोमर की बैठक के दौरान ढोल नगाड़ों के साथ भाकियू तोमर के पदाधिकारियों का फूलमालाएं पहनाकर जोरदार स्वागत किया गया। बैठक का जिसका संचालन प्रदेश मीडिया प्रभारी आरिफ मलिक ने किया। व बैठक की अध्यक्षता इकबाल ने की। इस दौरान भाकियू तोमर के प्रदेश अध्यक्ष चौधरी सुदेश पाल ने बैठक में किसानों की समस्याओं को लेकर किसानों से वार्तालाप कर किसानों पर हो रहे शोषण को लेकर आवाज बुलंद की उन्होंने कहा कि अगर सरकार तीनो काले कानून वापस नही लेती है तो आंदोलन और तेज किया जाएगा वह आने वाले चुनावो में सरकार को इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा।

इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष चौधरी सुदेश पाल द्वारा भाकियू तोमर सहारनपुर के जिला उपाध्यक्ष की कमान हाजी इस्लाम को सोपी गयी। इस दौरान बैठक में प्रदेश उपाध्यक्ष रईस मलिक, मनव्वर प्रधान, प्रदेश प्रतिनिधि आशीष पाल, युवा जिलाध्यक्ष पारित उपाध्याय, प्रदेश मीडिया आरिफ मलिक, नदीम मलिक, विकास कांबोज, जिला उपाध्यक्ष सतपाल मास्टर, इमरान, सोनू, अफजल, फैजान, आबिद, इरशाद, शमशेर, इकबाल, रिहान आदि मौजूद रहे।

टीवी इंडस्ट्री समेत बॉलीवुड में शोक की लहर, नहीं रहे 'ठाकुर सज्जन सिंह' अभिनेता अनुपम श्याम का निधन

दैनिक बुलन्द भारत–ब्यूरो बरेली
सादिक खान

बरेली। वरिष्ठ रंगकर्मी व अभिनेता अनुपम श्याम ओझा का निधन हो गया है। लोकप्रिय धारावाहिक मन की आवाज प्रतिज्ञा में ठाकुर सज्जन सिंह का किरदार निभाकर शोहरत पाने वाले अनुपम श्याम अपनी बेमिसाल और जानदार अदाकारी के लिए जाने जाते थे। सूत्रों के मुताबिक, अनुपम श्याम काफी समय से किडनी की बीमारी से जूझ रहे थे। उनके निधन की खबर से बॉलीवुड समेत टेलीविजन इंडस्ट्री में शोक की लहर दौड़ गई है। अनुपम श्याम ने 63 साल की उम्र में दुनिया को अलविदा कह दिया।

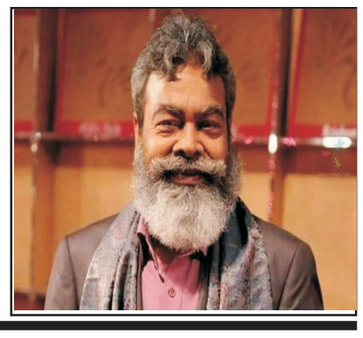

व्यवसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास विभाग, उ0प्र0 युवाओं के सपनों को कर रहा है साकार

दैनिक बुलन्द भारत–ब्यूरो श्रावस्ती
हसमत हुसैन खान

श्रावस्ती। प्रत्येक युवा का यह सपना होता है कि वह रोजगार के माध्यम से घर–परिवार की जिम्मेदारी संभाले। इस योग्य बने कि अपनी आजीविका प्राप्त कर सके तथा माता–पिता एवं अन्य परिवारजनों की देखभाल हेतु आय अर्जित कर सके। युवाओं के ऐसे ही सपने को साकार करने के लिए प्रदेश का व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास विभाग, उन्हें आई0टी0आई0 के विभिन्न पाठ्यक्रमों के माध्यम से रोजगार के अनेक अवसर उपलब्ध करा रहा है।

आई0टी0आई0 का पूरा नाम है 'इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट'। हिन्दी में इन्हें औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के नाम से जाना जाता है। लेकिन इनकी प्रसिद्धि आई0टी0आई0 के रूप में ही ज्यादा है। आई0टी0आई0 एक ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट है जो औद्योगिक क्षेत्र में प्रशिक्षित श्रमबल को उपलब्ध कराने का कार्य करते हैं। आई0टी0आई0 इस रूप में एक जॉब स्पेसिफिक कोर्स होता है जो विद्यार्थियों को कम समय में मार्केट रेडी बना देता है। यह कक्षा आठ व हाईस्कूल उत्तीर्ण छात्र–छात्राओं को आई0टी0आई0 के विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश के अवसर देता है।

उत्तर प्रदेश में स्थापित कुल 305 राजकीय आई0टी0आई0 तथा कुल 2749 निजी आई0टी0आई0 में विभिन्न व्यवसायों में प्रवेश के लिए कुल मिलाकर 4 लाख 94 हजार से ज्यादा सीटें उपलब्ध है। राजकीय आई0टी0आई0 में 70 व्यवसायों तथा निजी आई0टी0आई0 में 51 व्यवसायों में प्रशिक्षण की सुविधा उपलब्ध है। इन आई0टी0आई0 में सत्र 2021–22 में प्रवेश के लिए मेरिट आधारित ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की शुरूआत दिनांक 04.08.2021 से हो गयी है। महिलाओं के प्रशिक्षण के लिए प्रदेश में 12 विशिष्ट राजकीय संस्थानों के अतिरिक्त 47 महिला शाखाएं स्थापित है। प्रदेश के अल्पसंख्यक बहुल क्षेत्रों में भी 43 राजकीय आई0टी0आई0 स्थापित है। इस प्रकार प्रदेश सरकार का विजन है कि प्रत्येक वर्ग एवं प्रत्येक क्षेत्र के अभ्यर्थी इनमें प्रवेश पा सकें। इन सभी आई0टी0आई0 में शासन के नियमानुसार आरक्षण दिया जाता है एवं महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए 20 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण की व्यवस्था है।

प्रदेश की अनुसूचित जाति/जनजाति एवं पिछड़े वर्गो का विकास सुनिश्चित करने हेतु तथा इस वर्ग के वंचित युवाओं को विकास की मुख्य धारा में सम्मिलित करने हेतु अनुसूचित जाति सबप्लान (एस0सी0/एस0टी0) के अन्तर्गत 84 विशिष्ट राजकीय आई0टी0आई0 स्थापित हैं। जिनमें 70 प्रतिशत सीटें अनुसूचित जातिध् जनजाति तथा 15 प्रतिशत सीटें अन्य पिछड़ी जाति हेतु आरक्षित है।

इन आई0टी0आई0 में वायरमैन, पेन्टर, वेल्डर, कम्प्यूटर ऑपरेटर एण्ड प्रोग्रामिंग असिस्टेंट, फूड प्रोडक्शन जनरल, ट्रैवल टूर असिस्टेंट, फिटर टर्नर, मशीनिस्ट, ग्राइण्डर, इलेक्ट्रीशियन, इलेक्ट्रीशियन (पावर डिस्ट्रीब्यूशन), ड्राफ्टमैन (मैकेनिक एवं सिविल), रेडियोलॉजी टेक्नीशियन, फिजियोथेरेपी टेक्नीशियन, फायर टेक्नोलॉजी एण्ड इण्डस्ट्रियल सेफ्टी मैनेजमेंट आदि अनेक व्यवसायों में प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। इन सभी कोर्सों में कुछ की शैक्षणिक योग्यता 8वीं तथा कुछ की 10वीं कक्षा उत्तीर्ण हैं। साथ ही यह एक वर्ष या दो वर्ष की अवधि के पाठयक्रम हैं। जिसके पश्चात प्रशिक्षित युवक–युवतियों के लिए सरकारी प्रतिष्ठानों जैसे रेलवे, आर्मी, नेवी, एयरफोर्स, पी0डब्लू0डी0, सिंचाई विभाग, व्यवसायिक शिक्षा विभाग, प्राविधिक शिक्षा विभाग आदि में रोजगार के पर्याप्त अवसर मिलते हैं। इसके अतिरिक्त अर्धसरकारी/निगम/परिषद जैसे भेल, गेल, सेल, यू0पी0पी0सी0एल0, एच0ए0एल0, ओ0एन0सी0सी0, एन0टी0पी0सी0 आदि में भी रोजगार के अनेक अवसर उपलब्ध होते हैं। प्रतिष्ठित निजी प्रतिष्ठानों जैसे टाटा मोटर्स, मारूति सुजुकी, ह्यूण्डई, रिलायंस, जिंदल, विप्रो एवं अन्य में भी आई0टी0आई0 प्रशिक्षण प्राप्त युवक–युवतियों को रोजगार के अच्छे पर्याप्त अवसर मिलते हैं। देखा जाए तो आई0टी0आई0 से प्रशिक्षण के उपरान्त उनकी प्रतिभा में निखार आ जाता है और वे हमारे औद्योगिक क्षेत्र को गति प्रदान करने हेतु तथा स्वयं अपना विकास करने हेतु योग्यता हासिल कर लेते हैं। आई0टी0आई0 प्रशिक्षित व्यक्ति यदि स्वरोजगार करना चाहें तो उन्हें सरकार द्वारा मुद्रा लोन योजना के तहत बिना गारंटी ऋण सुविधा उपलब्ध होती है। इस प्रकार आई0टी0आई0 का कोर्स स्वरोजगार को भी बड़ी मात्रा में बढ़ावा दे रहा है।

शासनादेश के अनुसार कक्षा 8 उत्तीर्ण करने के उपरान्त दो वर्ष या उससे अधिक के पाठ्यक्रमों में आई0टी0आई0 प्रमाण पत्र धारकों को माध्यमिक शिक्षा परिषद, उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित हाईस्कूल (कक्षा 10) की हिन्दी विषय की परीक्षा व्यक्तिगत परीक्षार्थी के रूप में उत्तीर्ण करने की स्थिति में उसे कक्षा 10 (हाईस्कूल) के समकक्ष माना जाता है तथा ऐसे ही कक्षा 10 के उत्तीर्ण छात्र–छात्राओं को दो वर्ष या उससे अधिक के पाठ्यक्रमों में आई0टी0आई0 प्रमाण–पत्र प्राप्त करने के उपरान्त इण्टरमीडिएट की हिन्दी विषय की परीक्षा उत्तीर्ण करने पर परिषद की इण्टरमीडिएट (कक्षा 12) के समकक्ष माना जाता है। यह उन छात्रों के लिए वरदान है जो आगे उच्चशिक्षा प्राप्त करना चाहते हैं। इसके अतिरिक्त यदि आई0टी0आई0 से उत्तीर्ण प्रमाणपत्र धारक उत्तर प्रदेश में पॉलीटेक्निक में प्रवेश हेतु अर्ह होते हैं, तो उन्हें संबंधित डिप्लोमा पाठ्यक्रम के द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश दिया जाता है।

प्रदेश का व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास विभाग आई0टी0आई0 के विभिन्न कोर्स के द्वारा युवक–युवतियों के कौशल संवर्द्धन का कार्य कर रहा है। जिसके माध्यम से उन्हें भावी रोजगार के लिए तैयार कर रहा है एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशन में प्रदेश सरकार अपने युवाओं का राष्ट्रीय विकास में योगदान सुनिश्चित कर रही है। व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास विभाग सरकारी, निजी एवं स्वरोजगार में अवसरों की प्राप्ति की दिशा में युवा वर्ग को प्रशिक्षित कर महती जिम्मेदारी निभा रहा है।

आनलाइन ठगी के शिकार पीड़ित के कुल 55000 रूपये वापस

दैनिक बुलन्द भारत–ब्यूरो श्रावस्ती
हसमत हुसैन खान

श्रावस्ती। 16 जुलाई 2021 को पीड़ितध्आवेदक मोहम्मद अरशद निवासी ग्राम राजा वीरपुर पोस्ट भगहा थाना भिन्गा जनपद श्रावस्ती द्वारा अपने साथ आनलाइन ठगी कर खाते से 75000 हजार रूपये निकाल लेने के संबंध में पुलिस अधीक्षक श्रावस्ती श्री अरविन्द कुमार मौर्य के समक्ष एक प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया गया था, जिसमें अंकित किया गया था कि दिनांक 15.07.2021 को किसी अज्ञात व्यक्ति ने फोन करके झांसे में लेकर आवेदक के खाते से आनलाइन रुपए निकाल लिए थे। पुलिस अधीक्षक श्रावस्ती के निर्देशानुसार साइबर क्राइम सेल द्वारा तत्काल कार्यवाही करते हुए खाते का स्टेटमेंट प्राप्त कर सम्बंधित बैंक से पत्राचार कर आनलाइन ठगी किए गए 55000 रूपये साईबर क्राईम सेल श्रावस्ती द्वारा अथक परिश्रम कर आवेदक उपरोक्त के बैंक खाते में वापस कराये गये। आवेदक द्वारा आज दिनांक 09.08.2021 को कार्यालय साईबर क्राइम सेल में आकर पुलिस अधीक्षक श्रावस्ती एवं साईबर क्राइम सेल के अधिकारी/कर्मचारीगण का आभार व्यक्त करते हुए कृत कार्यवाही की भूरि–भूरि प्रशंसा की गयी।

महंगाई के विरोध में कांग्रेस का जबरदस्त प्रदर्शन

दैनिक बुलन्द भारत
ब्यूरो श्रावस्ती
हसमत हुसैन खान

श्रावस्ती। पेट्रोल, डीजल, रसोई गैस की बढ़ती हुई कीमतों के विरोध में जिला एवं शहर कांग्रेस कमेटी ने किसान इंटर कॉलेज गिलौला से लेकर तिलक पुर मोड़ तक प्रदर्शन किया। कांग्रेस जिलाध्यक्ष मोहम्मद नसीम चौधरी के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने नेशनल हाईवे किसान इंटर कॉलेज सुविखा से लेकर तिलकपुर मोड़ तक प्रदर्शन किया। जिलाध्यक्ष ने कहा कि जिस तरह से सरकार द्वारा पिछले सालों में डीजल, पेट्रोल और रसोई गैस के दामों में बेतहाशा बढ़ोत्तरी की गई है, उससे आम जनता पर महंगाई की मार पड़ी है। कांग्रेस पार्टी सरकार से पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस के बढ़ते दामों पर अंकुश लगाने की मांग करती है। चेतावनी दी कि ऐसा नहीं किया तो कांग्रेस को उग्र आंदोलन करने को बाध्य होना पड़ेगा।

वीर शहीदों के त्याग संघर्षो से हमे लेनी चाहिए प्रेरणा : जिलाधिकारी

देश को आजादी दिलाने में शहीद हुए लोगों का देश हमेशा रहेगा ऋणी : पुलिस अधीक्षक

दैनिक बुलन्द भारत–ब्यूरो श्रावस्ती
हसमत हुसैन खान

श्रावस्ती। आजादी के अमृत महोत्सव एवं चौरी चौरा शताब्दी महोत्सव आयोजन के श्रृंखला में आज काकोरी ट्रेन एक्शन की वर्षगाठ को पूरे जनपद मे भव्य रुप से मनाया गया। शहीद स्मारकों पर श्रद्धासुमन अर्पित किए गए तथा वीर शहीदों को नमन किया गया। स्कूलों, कालेजों से प्रभात रैली व तिरंगा यात्रा निकाली गयी। मुख्य कार्यक्रम का आयोजन कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित किया गया। इसके अलावा सभी ब्लाक मुख्यालयों , तहसीलों एवं थानों में आजादी का अमृत महोत्सव के अवसर पर विविध कार्यक्रम आयोजित किये गये। कलेक्ट्रेट सभागार में विधायक रामफेरन पाण्डेय, जिलाधिकारी टी0के0 शिबु व पुलिस अधीक्षक अरविन्द कुमार मौर्य, ज्वाइन्ट मजिस्ट्रेट/प्रशिक्षु आई0ए0एस0 परीक्षित खटाना, उपजिलाधिकारी आशुतोष एवं कलेक्ट्रेट के अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने राम प्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला खान एवं ठाकुर रोशन सिंह के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया। इसके उपरान्त कलेक्ट्रेट सभागार में काकोरी शहीद स्मारक स्थल लखनऊ में मा0 राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल एवं मा0 मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी द्वारा आयोजित कार्यक्रम का लाइव प्रसारण किया गया, जिसे सभी उपस्थित जनो द्वारा देखा गया।

इस अवसर पर विधायक ने अपने उद्बोधन में कहा कि देश की आजादी में अपने प्राणों की आहूति देने वाले वीर शहीदों को मेरा नमन है, जिनकी कुर्बानियों के नतीजे में आज हम आजाद भारत में स्वतंत्रता के साथ और सम्मानपूर्वक जीवन यापन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि काकोरी कांड भी स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के जोश का परिणाम था, जो देश की आजादी के इतिहास में अपना महत्व रखता है। उन्होंने कहा कि हम जिस क्षेत्र में भी हैं अपने दिल में देश की सुरक्षा, स्वतंत्रता और समृद्वि के लिए बलिदान की भावना को जागृत रखें और व्यवहारिक रूप से उसका प्रदर्शन भी करते रहें, जो अन्य लोगों के लिए प्रेरणास्रोत बने। उन्होंने कहा कि देश के सुरक्षित रहने से ही हम सब सुरक्षित हैं, देश शक्तिशाली और समृद्व होगा तो हम सब भी शक्तिशाली और समृद्धि होंगे।

जिलाधिकारी टी0के0 शिबु ने काकोरी कांड से संबंधित इतिहास के पन्ने पलटते हुए कहा कि काकोरी कांड की भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के क्रान्तिकारियों द्वारा ब्रिटिश राज के विरुद्ध भयंकर युद्ध छेड़ने की ईच्छा से हथियार खरीदने के लिये ब्रिटिश सरकार का ही खजाना लूट लेने वाली ट्रेन डकैती की एक ऐतिहासिक घटना थी जो 09 अगस्त 1925 को घटी। इस ट्रेन डकैती में जर्मनी के बने चार माउजर पिस्तौल काम में लाये गये थे। इन पिस्तौलों की विशेषता यह थी कि इनमें बट के पीछे लकड़ी का बना एक और कुन्दा लगाकर रायफल की तरह उपयोग किया जा सकता था। हिन्दुस्तान रिपब्लिकन ऐसोसिएशन के केवल दस सदस्यों ने इस पूरी घटना को परिणाम दिया था।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक अरविन्द कुमार मौर्य ने कहा कि काकोरी कांड जैसी तमाम घटनाओं के कारण हमारे देश के कई वीर सपूतों ने अपने को न्योछावर कर शहीद हो गये जिसके लिए देश हमेशा उन्हे नमन करता रहेगा। उन्होने कहा कि देश को आजादी दिलाने में तमाम स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों का योगदान रहा है तमाम स्वतंत्रता सेनानी अपने को न्योछावर कर शहीद हो गये इसके लिए देश हमेशा उनका ऋणी रहेगा। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं शहीदो के आश्रितों के लिए सरकार उनके सुख–दुख में हमेशा साथ है और उनका हमेशा सम्मान किया जायेगा। कार्यक्रम का संचालन बेसिक शिक्षा विभाग के जिला समन्वयक अजीत उपाध्याय ने किया। राष्ट्रगान के उपरान्त कार्यक्रम का समापन किया गया।

कलेक्ट्रेट में आयोजित आजादी के अमृत महोत्सव कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ कोषाधिकारी गिरीश कुमार, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी छोटेलाल, जिला सूचना अधिकारी शिवनाथ, प्रशासनिक अधिकारी ओम प्रकाश श्रीवास्तव, जिलाधिकारी के आशुलिपिक चन्द्रमौली श्रीवास्तव, नाजिर प्रदीप तिवारी, अपर जिलाधिकारी के पेशकार के0के0 वैश्य, जिला निर्वाचन कार्यालय के प्रधान सहायक सुनील कुमार श्रीवास्तव, सहायक कोषाधिकारी अवधेश कुमार यादव सहित पूर्ति विभाग, समाज कल्याण विभाग, प्रोबेशन विभाग, कौशल विकास, बचत, सूचना विभाग, निर्वाचन, आबकारी, भूलेख आदि विभागो के अधिकारीध् कर्मचारीगण उपस्थित रहे तदोपरान्त आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर ही कलेक्ट्रेट परिसर में वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें माननीय विधायक, जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, मुख्य विकास अधिकारी ईशान प्रताप सिंह, ज्वाइन्ट मजिस्ट्रेटध्प्रशिक्षु आई0ए0एस0, उपजिलाधिकारी आशुतोष, जिला आबकारी अधिकारी पी0के0 गिरी एवं जिला सूचना अधिकारी ने पाम का वृक्ष लगाकर लोगों को अधिक से अधिक वृक्ष लगाने का सन्देश दिया।

आजादी के अमृत महोत्सव के ही अवसर पर क्रमशः विकास खण्ड मुख्यालय इकौना परिसर में स्थित शहीद स्मारक स्थल पर ब्लाक प्रमुख श्रीमती मिथलेश पाण्डेय, उपजिलाधिकारी आर0पी0 चौधरी, परियोजना निदेशक इन्द्रमणि सिंह सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति, विकास खण्ड गिलौला में स्थित शहीद स्मारक स्थल पर माननीय ब्लाक प्रमुख पूजा देवी, खण्ड विकास अधिकारी एस0पी0 सिंह, खण्ड शिक्षा अधिकारी भरत भूषण जायसवाल एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति, विकास खण्ड जमुनहा में स्थित शहीद स्मारक स्थल पर पूर्व प्रमुख प्रतिनिधि दिनेश आर्या, उपाध्यक्ष महेश मिश्रा ओम, खण्ड विकास अधिकारी डा0 जितेन्द्र नाथ दुबे, जिला पंचायत प्रतिनिधि कमलेश मिश्रा, नोडल अधिकारी जिला आबकारी अधिकारी पी0के0 गिरी एवं भवानी सिंह सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति, विकास खण्ड हरिहरपुररानी में शहीद स्मारक स्थल पर वरिष्ठ नागरिक गिरधारी पाण्डेय, जिला विकास अधिकारी विनय कुमार तिवारी, बाल विकास परियोजना अधिकारी सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति एवं विकास खण्ड सिरसिया में प्रमुख प्रतिनिधि, उपायुक्त एन0आर0एल0एम0/खण्ड विकास अधिकारी सिरसिया रविन्द्र कुमार चतुर्वेदी सहित अन्य गणमान्य व्यक्तिधविभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने फूलमाला चढ़ाकर शहीदों को नमन किया। आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर काकोरी शहीद स्मारक स्थल लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल एवं मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ के उद्बोधन का लाइव प्रसारण सूचना विभाग के एल0ई0डी0 वैन द्वारा किया गया, जिसे सभी उपस्थित जनो द्वारा देखा गया।

गांव अक्रूर में मिट्टी के टीले के मामले में एक और महिला की उपचार के दौरान मौत

दैनिक बुलन्द भारत–ब्यूरो मथुरा
रवि बघेल

मथुरा। देवशयनी एकादशी पर पूजा में इस्तेमाल के लिए मिट्टी लेने गईं महिलाओं को क्या पता था कि जिस मिट्टी को पूजा के लिए जंगल में स्थिति मिट्टी के टीला से मिट्टी निकाल रही थीं, वही उनके लिए आफत बन जाएगा। अचानक टीले से मिट्टी की ढाय गिरी और चार महिलाएं व तीन युवतियां उसके नीचे दब गईं। इनमें से दो युवतियां तो जैसे तैसे बचकर निकल गईं। जो मामलू रूप से चुटैल हुईं। चुटैल युवतियों ने गांव जाकर घटना की जानकारी दी तो हड़कंप मच गया। लोग घटना स्थल की ओर दौड़ पड़े और पुलिस को सूचना दे दी। पुलिस और नगर निगम प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर ढाय में दबी महिलाओं को जेसीबी की मदद से बाहर निकाला। इनमें से एक महिला की मौत हो गईं। जबकि तीन महिलाओं की हालत गंभीर बनी हुई है। गंभीर घायल महिलाओं को अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती करवाया है।

वृंदावन के समीपवर्ती गांव अक्रूर में मंगलवार को गांव की चार महिलाएं व तीन युवतियां देवशयनी एकादशी पर पूजा में इस्तेमाल होने वाली मिट्टी लेने के लिए जंगल की ओर पहुंच गईं। जंगल में मिट्टी के टीले के निचले भाग से खोद कर महिलाएं जय बिहारी की पत्नी रेनू, लवकुश की पत्नी आशा, हाकिम की पत्नी विमलेश, वकील की पत्नी रजनी, परसो की बेटी ललिता, मोहनलाल की बेटी राधा तथा नन्हीं की बेटी सावित्री मिट्टी निकाल ही रही थीं, इसी दौरान पिछले दो दिन से हो रही झमाझम बारिश के कारण टीले की मिट्टी कमजोर होने के चलते अचानक ऊपर से मिट्टी की ढाय गिर गई और महिलाएं व युवतियां उसकी जद में आ गईं। ढाय गिरते समय दो युवतियां ललिता और राधा बमुश्किल खुद को मिट्टी से निकालकर गांव की ओर दौड़ पड़ीं। मामूली रूप से चुटैल हुई इन युवतियों ने जब स्वजनों और ग्रामीणों को घटना की जानकारी दी तो ग्रामीण घटनास्थल की ओर दौड़ पड़े और ग्रामीणों का भारी हुजूम घटनास्थल पर लग गया। घटना की सूचना पर पुलिस फोर्स और नगर निगम की टीम जेसीबी के साथ पहुंची और मिट्टी में दबी चारों महिलाओं को जेसीबी की मदद से रेस्क्यू कर बाहर निकाल लिया। घायल महिलाओं को एंबुलेंस के जरिए जिला संयुक्त चिकित्सालय ले जाया गया। जहां 28 वर्षीय रेनू को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। जबकि आशा, रजनी, विमलेश व सावित्री का उपचार चिकित्सकों द्वारा किया जा रहा है।

आपको बताते चले की लवकुश की पत्नी आशा का मथुरा में ईलाज चल रहा था, मथुरा से आगरा के लिए आशा को रेफर कर दिया गया, जहां पर आशा की हालत लगातार नाजुक बताई जा रही थी, आगरा के एक हॉस्पिटल ने आशा की हालत गंभीर बताते हुए जयपुर के हॉस्पिटल एसएमएस के लिए रेफर कर दिया जहां पर एसएमएस हॉस्पिटल के चिकित्सकों द्वारा आशा का इलाज किया जा रहा था, कई दिन बीत जाने के बाद आशा की इलाज के दौरान मौत हो गई, आशा की मौत की खबर गांव में आग की तरह फैल गई और गांव में मायूसी छा गई, बाकी दो महिलाओं का अभी ईलाज चल रहा है। आपको बता दें कि आशा की शादी लवकुश गांव अक्रुर में करीब 10 साल पहले हुई थी, आशा के दो पुत्र छोटे छोटे मोहित, उमेश थे, जिला प्रशासन ने अभी तक इस मामले में मृत परिजनों की कोई भी किसी प्रकार की सहायता नही की है। अब देखना यह होगा कि इन गरीब मृत परिवारों की सहायता के लिए जिला प्रशासन क्या कदम उठाता है।

बेसिक शिक्षा कल्याण समिति ने बीएसए को सौंपा ज्ञापन

स्कूल संचालकों के हितार्थ सड़कों पर संघर्ष करेगी समिति : सर्वेश पाठक

दैनिक बुलन्द भारत–ब्यूरो बरेली
भरत सिंह पटेल

बरेली। मान्यता प्राप्त स्कूल संचालकों के संगठन बेसिक शिक्षा कल्याण समिति उत्तर प्रदेश के आवाहन पर 9 जुलाई 2021 को प्रदेश के 7 जिलों में बेसिक शिक्षा अधिकारी को सौंपा ज्ञापन। समिति ने अतिशीघ्र स्कूलों को खोला जाए तथा निजी स्कूलों को आरटीआई के दायरे से दूर रखे जाने की पुरजोर मांग की है। समिति के प्रदेश अध्यक्ष सर्वेश पाठक ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार निजी स्कूलों को समाप्त करना चाहती है। पिछले 2 वर्षों से कोरोना का भय दिखाकर प्रदेश भर के निजी स्कूलों को बंद करवा रखा है तथा सरकारी स्कूलों को यथावत कामकाज करवा रही है। सर्वेश पाठक ने कहा प्रदेश भर में शराब की दुकान से लेकर बाजार, माल जैसे भीड़भाड़ वाले संस्थान खोल दिए गए हैं। लेकिन निजी स्कूलों को खोलने पर कोई विचार सरकार नहीं कर रही है। पिछले 2 वर्षों से स्कूल बंद होने से स्कूल संचालक, अध्यापक तथा अन्य कर्मचारी आर्थिक तंगी के दौर से गुजर रहे हैं। बच्चों के भविष्य के निर्माता आज अपने परिवार का भरण पोषण करने के लिए दूसरे छोटे धंधे करने को मजबूर हो गए हैं। देश का भविष्य कहे जाने वाले बच्चे शिक्षा से कोसों दूर हैं। सर्वेश पाठक ने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि बेसिक शिक्षा कल्याण समिति स्कूल संचालकों के हितार्थ सड़कों पर संघर्ष करेगी। उन्होंने सरकार से तत्काल निजी स्कूलों को खोले जाने की मांग की। इस दौरान प्रदेश महासचिव राजीव यादव, प्रदेश प्रवक्ता हिरदेश सिंह, विजय बहादुर सक्सेना, रामकृष्ण शुक्ला, गिरीश पटेल, मनोज कुमार मिश्रा, मोहम्मद फराज, आसिफ अली, राशि पाराशरी, रूपाली गुप्ता आदि स्कूल संचालक मौजूद रहे।

अवधेश यादव अध्यक्ष और एसपी सिंह चुने गए महामंत्री

दैनिक बुलन्द भारत
ब्यूरो श्रावस्ती
हसमत हुसैन खान

श्रावस्ती। कलेक्ट्रेट स्थित तथागत सभागार में शनिवार को राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद का चुनाव कराया गया। जिसमें सभी पदों पर पदाधिकारियों का निर्विरोध निर्वाचन कर लिया गया। निर्वाचन के दौरान अवधेश यादव एक बार फिर परिषद के अध्यक्ष चुने गए। एसपी सिंह को महामंत्री की जिम्मेदारी मिली है। संगठन के सभी कर्मचारी प्रातः कलेक्ट्रेट पहुंचे। कोविड प्रोटोकाल का ध्यान रखते हुए संगठन के द्विवार्षिक अधिवेशन पर चर्चा हुई। सर्वसम्मति से अवधेश यादव को अध्यक्ष, ओपी सिंह को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, एसपी सिंह महामंत्री व राकेश सिंह को संप्रेक्षण निर्वाचित किया गया।

हिन्दी दैनिक बुलन्द भारत

प्रेरणा स्रोत–
मरहूम हाजी शफीक मियां, सतीश कुमार आर्य वरिष्ठ पत्रकार आरटीआई एक्टिविस्ट, स्वर्गीय नरेंद्र देव आदित्य
संरक्षक– अम0 ए0 साबरी अलीग0, एम0 ईख्तियार अहमद मूर (पीपीएस नाभा), सूफी रफीक शाह साबरी

प्रकाशक – एम0एस0रूमी
9319521411
प्रधान सम्पादक –सूरजभान बघेल 9454428221
सम्पादक --आर0एस0ग्रेवाल
समाचार सम्पादक–देवेन्द्र कुमार मिश्रा
उप सम्पादक– अमलेश कुमार सिह
उप सम्पादक– पंकज बघेल
सह सम्पादक–वसीम खान,दानिश खान, आफताब आलम,अनवर हसन

मुद्रक स्वामी प्रकाशक मोहम्मद सलीम रूमी द्वारा मै0सुभाष ऑफसेट प्रेस नवाबगंज चौक सहारनपुर से छपवा कर सड़क दूधली, ट्रांसपोर्ट नगर देहरादून रोड, सहारनपुर उत्तर प्रदेश से प्रकाशित किया।
संपादक --आर एस ग्रेवाल
प्रकाशक/कार्यालय--9319521411
अधिकृत मेल--
bulandbharatdaily@gmail.com
website--bulandbharatlivetv.com

समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र सहारनपुर मान्य होगा।